निगम ने 92.46 वेटेज स्कोर प्राप्त किया

सीएम हेल्प लाइन शिकायत निवारण में रतलाम नंबर एक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. नगर निगम से संबंधित सीएम हेल्प लाईन पर नागरिकों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के निराकरण में रतलाम नगर निगम को प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है।

सीएम हेल्प लाइन में दर्ज शिकायत निराकरण के तहत नगर निगम को 1220 शिकायत निराकरण में संतुष्टी के साथ बंद शिकायत का वेटेज 47.46 (50%) 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायत का वेटेज 9.01 (10%), निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायत का वेटेज 10 (10%) नोट अटेडेंट शिकायत का वेटेज 10 (10 प्रतिशत), मान्य/अमान्य शिकायत का वेटेज 10 (10 प्रतिशत), लंबित शिकायत की संख्या में कमी का वेटेज 5.99 (10 प्रतिशत) तथा कुल वेटेज स्कोर 92.46 प्राप्त कर पूरे राज्य में नम्बर 1 रतलाम रहा है।

सीएम हेल्पलाइन में नंबर एक पर आने के लिए नगर निगम के अधिकारियों ने उन लोगों से पहुंच बनाई जिन्होंने शिकायत की थी। इसके बाद जो शिकायत थी उनका निवारण किया गया। इसके लिए नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने स्वयं प्रति सप्ताह समीक्षा की। इनके अलावा प्रतिदिन निगम प्रशासक कुमार पुरुषोत्तम ने भी प्रगति रिपोर्ट ली थी।

स्वच्छता में भी आए नंबर एक पर

सीएम हेल्प लाईन शिकायत निराकरण में नगर निगम को प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त होने पर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों को कहा कि अब स्वच्छता में भी नगर निगम को पहले पायेदान पर पूरे देश में नंबर एक पर लाना हैं। बता दे कि इसके पूर्व प्रदेश में स्वच्छता के दो अलग-अलग मामलों में नगर निगम को पुरस्कार प्राप्त हुए थे। पत्रिका

पत्रिका 21/10/21

सीएम हेल्पलाइन राज्य स्तरीय रैंकिंग में जिला दूसरे नंबर पर

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 के तहत बुधवार को जारी राज्य स्तरीय रैंकिंग में रतलाम जिला अपने ग्रुप में प्रथम व राज्य स्तर पर दूसरे नंबर पर है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के तहत प्रदेश के 52 जिलों को 26 व 26 की संख्या में दो ग्रुपों में बांटा गया है। रतलाम जिला ग्रुप बी में है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में रतलाम जिले की उच्चतम स्थिति पर कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम द्वारा शासकीय कार्यालय प्रमुखों को बधाई देते हुए आगे भी निरंतरता बनाए रखने के लिए निर्देशित किया है।

उपलब्धि

- प्रदेश के 52 जिलों को 26 व 26 की संख्या में दो ग्रुपों में बांटा गया
- शासकीय कार्यालय प्रमुखों को कलेक्टर ने दी बधाई

92.46 वैटेज स्कोर लेकर नगर निगम को पहला स्थान

नगर निगम से संबंधित सीएम हेल्पलाइन पर नागरिकों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों के निराकरण में रतलाम नगर निगम को पहला स्थान मिला है। आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि निगम की 1220 शिकायतों में संतुष्टि के साथ बंद शिकायतों का वैटेज 47.46 (50 प्रतिशत) 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का वैटेज 9.01 (10 प्रतिशत), निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों, नाट अटेडेंट शिकायतों, मान्य/अमान्य शिकायतों का वेटेज 10-10 प्रतिशत रहा। लंबित शिकायतों की संख्या में कमी का वैटेज 5.99 (10 प्रतिशत) तथा कुल स्कोर 92.46 रहा।

नईदुनिया 21/10/21

काम शुरू : पानी, सीवरेज और बारिश से जर्जर सड़कों का 85 लाख की लागत से होगा पेचवर्क

रतलाम | पानी की पाइप लाइन, सीवरेज और बारिश से खराब सड़कों का पेचवर्क शुरू हो गया है। निगम द्वारा 85 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। नगर निगम द्वारा सड़कों का पेचवर्क किया जा रहा है। स्टेशन रोड से नगर निगम तक पेचवर्क के पहले सफाई की गई। इसके बाद पेचवर्क शुरू किया। मुख्य सड़कों के साथ ही कॉलोनियों की सड़कों का पेचवर्क किया जाएगा। लिए नगर निगम ने लिस्ट तैयार कर टेंडर जारी किए हैं। टेंडर के बाद लिस्ट के अनुसार बारी-बारी से पेचवर्क किया जाएगा। इससे गड्ढे, धूल से शहरवासियों को राहत मिलेगी। गौरतलब है कि सीवरेज लाइन, पानी की पाइप लाइन और भारी बारिश से सड़कों की हालत खराब हो गई थी। इस पर भास्कर ने यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। इस पर नगर निगम ने सुध ली और पेचवर्क शुरू किया।

नई सड़कें भी बनेंगी

पेचवर्क के साथ शहर में नई सड़कें भी बनेगीं। इनका निर्माण 20 करोड़ रुपए की लागत से होगा। इसमें से 13 करोड़ रुपए की राशि के टेंडर जारी हो गए हैं। वहीं 7 करोड़ रुपए की राशि के टेंडर भी जल्द जारी किए जाएंगे। इस राशि से नई सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

शहर की 40 सड़कें सुधारेगा नगर निगम

नगर निगम द्वारा शहर की 40 सड़कों का पेचवर्क किया जाएगा। कार्य 85 लाख रुपए से शुरू कर दिया है। विधायक चेतन्य काश्यप एवं कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा पेचवर्क की शुरुआत दो बत्ती से की है। दीपावली को देखते हुए काम तेजी से किया जा रहा है ताकि लोगों को गड्ढों एवं धूल भरी सड़कों से राहत मिल सकें। नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया निगम स्वामित्व की 40 सड़कों का पेचवर्क किया जाएगा। कार्यपालन यंत्री मोहम्मद हनीफ शेख, प्रभारी सहायक यंत्री एम.के. जैन, उपयंत्री ब्रजेश कुशवाह सहित निगम का अमला मौजूद था। सामाजिक कार्यकर्ता सलीम आरिफ ने बताया सड़कों का पेचवर्क शुरू होने से राहत मिलेगी। दीपावली के पहले काम पूरा किया जाए ताकि लोगों को त्योहारों में लोगों को खराब सड़कों से राहत मिल सकें।

पेचवर्क शुरू कर दिया है

सड़कों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। शुरुआत में 40 सड़कों का पेचवर्क किया जाएगा। जल्द सड़कों का पेचवर्क का काम पूरा किया जाएगा।
चेतन्य काश्यप, विधायक

दै. भास्कर 21/10/21

आवारों श्वानों द्वारा काटने के मामलों में रतलाम को प्रदेश में दूसरा स्थान

रतलाम। आवारा श्वानों की समस्या रतलाम में विकराल रूप ले चुकी है। इससे श्वानों के काटने की घटनाओं में रतलाम का नाम प्रदेश में दूसरे स्थान पर बताया गया है। आम लोग हर जगह श्वानों से परेशान हैं। नगर निगम द्वारा जुलवानिया में श्वान बंध्याकरण केंद्र का निर्माण पूर्णता की ओर है। इसमें शहर में सड़कों पर घूम रहे श्वान लाकर बंध्याकरण किया जाएगा। इससे भविष्य में राहत मिलने की संभावना है।

नगर निगम द्वारा लंबे समय से जुलवानिया के ट्रेंचिंग ग्राउंड के पीछे तीन लाख रुपये की लागत से बंध्याकरण केंद्र का निर्माण जारी था, इसकी धीमी गति के कारण श्वानों की समस्या बढ़ती जा रही थी। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने शहर में श्वानों द्वारा काटने के संदर्भ में जब समीक्षा की, तो पाया कि रतलाम श्वानों द्वारा काटने के मामले में प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। शहर के 1700 व्यक्तियों को श्वानों द्वारा काटा जा चुका है, जो चिंतनीय है। कलेक्टर ने नगर निगम को श्वानों की धरपकड़ करने के निर्देश देने के साथ ही जुलवानिया में बंध्याकरण केन्द्र के निर्माण की गति को तेज कराया। इससे अब ये जल्द ही शुरू किया जा सकेगा।

बंध्याकरण केंद्र में श्वानों को बंध्याकरण करने के साथ-साथ उनमें रैबिज की बीमारी रोकने के लिए टीकाकरण भी किया जाएगा। इससे श्वानों की संख्या पर नियंत्रण होगा, वहीं श्वानों द्वारा काटने पर रैबिज की आशंका भी नहीं रहेगी। गौरतलब है कि वर्तमान में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शहर से सीमित संख्या में श्वान पकड़े जाकर बंध्याकरण किया जा रहा है। नगर निगम को शहर में 5000 से अधिक श्वान होने का अनुमान है। सभी श्वानों के बंध्याकरण के लिए नगर निगम द्वारा निविदा जारी की जा चुकी है। बंध्याकरण केंद्र पर श्वानों को रखने के लिए 12 काटेज बनाए गए हैं, इनमें श्वानों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था के साथ हवा के लिए पंखे भी लगाए गए हैं।

३५५६

३५५६ २१/१०/२१

श्वानों के साथ क्रूर व्यवहार न करें

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर में श्वानों की नसबंदी (बधियाकरण) करना ठीक है, लेकिन नगर निगम द्वारा जो श्वानों को पकड़ने का तरीका क्रूरतम है। उन्हें पकड़ने के दौरान क्रूर व्यवहार न किया जाए। जीव प्रेमियों के मंच से यहा बात कांग्रेस नेत्री व प्रबल सामाजिक संस्था की अदिति दवेसर, जीव प्रेमी आशा गुप्ता, जीव मैत्री परिवार के प्रकाश लोढ़ा आदि ने प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकारवार्ता में कही। उन्होंने कहा कि प्रशासन की कार्रवाई का विरोध नहीं है, हम प्रशासन के साथ है। श्वानों को मानवीय भावना बरत कर पकड़े तो किसी को परेशानी नहीं होगी। श्वानों का बंधियाकरण तौर-तरीके से हो। नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। श्वानों को वाहन में भरकर ले जाया जा रहा है, लेकिन पुन: उन्हे उसी क्षेत्र में छोड़ा जाएगा, जहां से पकड़ा है, इसकी कोई योजना नहीं है। श्वान पकड़ने वालों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इस कार्य में वे भी सेवा देने को तैयार है। दवेसर ने कहा कि देवास के डा. पवन माहेश्वरी रतलाम में सेवा देने को तैयार हैं। उनके पास संसाधन भी है। श्वानों को कैसे पकड़ा जाए, इसका भी वे प्रशिक्षण देते हैं। कैची से पकड़ना क्रूरतम व्यवहार है। पत्रकारवार्ता में शिल्पा जोशी, मदन सोनी आदि भी उपस्थित रहे।

नईदुनिया २१/१०/२१

पाईप गोदाम के बाहर लगी आग, समय रहते पाया काबू

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ रतलाम

फ्रीगंज क्षेत्र में पाइप गोडाउन के बाहर आज सुबह आग लग गई। प्रकाश ट्रेडर्स के इस गोडाउन के अंदर भी पीवीसी पाइप रखे हुए थे। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया अन्यथा बीते दिनों मोहन नगर में हुए अग्निकांड की तरह शहर के बीचोबीच स्थित फ्रीगंज क्षेत्र भी आग से दहल जाता। जानकारी के अनुसार सुबह 9.30 बजे के करीब गोडाउन के गेट पर अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिसे दमकल की गाड़ी की मदद से बुझा दिया गया। यह गोडाउन कृषि सामग्री विक्रेता प्रकाश ट्रेडर्स का बताया जा रहा है।

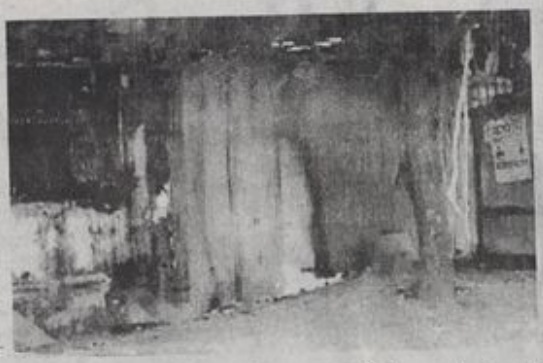

गौरतलब है कि बीते दिनों रतलाम के मोहन नगर में पाइप गोदाम में भीषण आग लग गई थी जिसकी वजह से मोहन नगर और गणेश नगर के एक दर्जन से अधिक मकानों में भारी नुकसान हुआ था। वहीं, दमकल की 8 से 10 गाड़ियों की मदद से रिहायशी इलाके में हुए अग्निकांड पर काबू पाया जा सका था।

मोहन नगर स्थित यह अवैध गोडाउन पगारिया ट्रेडर्स कथा जिसमें कृषि उपयोग के पीवीसी पाइप रखे हुए थे। इसके बाद आज एक बार फिर शहर के बीचोबीच फ्रीगंज क्षेत्र में एक गोडाउन में बड़ा हादसा होने से टल गया है। गोडाउन के बाहर गेट पर लगी आग को समय रहते दमकल की मदद से बुझा दिया गया।

कलेक्टर के आदेशों पर नहीं हुआ अमल

रतलाम के मोहन नगर में पाइप गोडाउन में हुए भीषण अग्निकांड के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से बनाए गए गोडाउन को जमींदोज कर दिया था। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने अधिकारियों को आदेश दिए थे कि आम लोगों के खतरनाक और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले व्यवसाय और गोडाउन को चिन्हित कर इन्हें रिहायशी इलाकों से हटाया जाए। लेकिन शहर के बीचो बीच ऐसे कई गोडाउन मौजूद हैं जिसमें ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण किया जा रहा है।

अकेले फ्रीगंज क्षेत्र में ही कृषि वस्तुओं और कृषि पाइप के कई गोडाउन मौजूद है। जिसमें से प्रकाश ट्रेडर्स के गोडाउन के बाहर आज आग लग गई थी।

बहरहाल फ्रीगंज क्षेत्र मे पाइप गोडाउन के बाहर लगी आग पर काबू पा लिया गय लेकिन शहर के बीचोबीच स्थित इस तरह के गोडाउन किसी बड़े अग्निकांड को दावत दे रहे हैं।

अवन्तिका।

अवन्तिका 21/10/21

फ्रीगंज मार्ग स्थित पाइप गोदाम के गेट के पास लगी आग

फ्रीगंज मार्ग स्थित पाइप गोदाम के गेट के पास लगी आग। ● नईदुनिया

रतलाम। फ्रीगंज मार्ग स्थित पाइप गोदाम के गेट के पास बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे आग लग गई। सूचना पर नगर निगम का अमला फायर लारी लेकर मौके पर पहुंचा और आग बुझाई। बताया जाता है कि बाहर जमा कचरे में किसी ने आग लगा दी, जिससे आग फैल गई। गोदाम कृषि सामग्री विक्रय फर्म प्रकाश ट्रैडर्स का है।

शामगढ़। विहिप एवं बजरंग दल ने बुधवार को शिव हनुमान मंदिर गांधी चौक पर कश्मीर एवं बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में कड़ा आक्रोश जताते हुए पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एक घंटे तक विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन किया।

नई

नईदुनिया 21/10/21

फ्रीगंज में पाइप गोदाम के बाहरी हिस्से में लगी आग, पड़ोसियों ने काबू पाया

भास्कर संवाददाता | रतलाम

फ्रीगंज स्थित गोदाम के बाहरी हिस्से में बुधवार सुबह 9 बजे आग लग गई। धुआं उठता देख लोगों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। वहीं गोदाम में कार्यरत लोग और आसपास के लोग आग बुझाने में जुटे। इसके लिए दुकानों पर रखी पानी की कैन का इस्तेमाल भी आग बुझाने में किया। वहीं फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इस पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची।

फायर ब्रिगेड के मुन्नाभाई, यकीनउद्दीन, दशरथसिंह एवं गोपाल ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया। यह पाइप का गोदाम है। समय पर रहते आग पर काबू पा लिया नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। भास्कर

फ्रीगंज में पाइप गोडाउन के बाहर लगी आग

रतलाम। फ्रीगंज क्षेत्र में पाइप गोडाउन बाहर मंगलवार आ
सुबह आग लग गई। गोडाउन के अंदर पाईप भी रखे हुए थे। गनीम
रही कि इस दौरान आग ने विकराल रुप नही लिया वरना बड़ा हाद
हो सकता था। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर का
पाया। जानकारी के अनुसार फीगंज में प्रकाश ट्रेडर्स के नाम से दुक
है। जहां दुकान के बाहर अज्ञात कारण से आग लग गई। आग
सूचना पर दमकल की गाड़ी की मदद से बुझाया गया।। यह गोडा
कृषि सामग्री विक्रेता प्रकाश ट्रेडर्स का बताया जा रहा है।

२१७

राजएक्सप्रेस 21/10/21

उज्जैन

अवैध कॉलोनियों की सूची जारी कर खरीदारों पर डाली जाएगी जिम्मेदारी

रतलाम। जिला प्रशासन ने जिले की सभी अवैध कॉलोनियों की सूची तैयार करने का कार्य आरंभ किया है। एक सप्ताह में सूची जारी कर दी जाएगी। इससे प्लॉट खरीदने वाले लोगों को यह जानकारी मिल जाएगी कि कौन सी कॉलोनी वैध और कौन सी अवैध है। इस जानकारी के बाद भी कोई अवैध कॉलोनियों में प्लाट खरीदेगा, तो उसका जिम्मेदार वह स्वयं होगा।

राज्य शासन के निर्देश पर जिले में अवैध कॉलोनियों और भू-माफियाओं के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। रतलाम शहर के अलावा बीते सालों में नामली, सैलाना, जावरा आलोट, पिपलोदा, ताल नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कई अवैध कॉलोनियां काटी गई हैं। आदिवासी अंचल शिवगढ़, रावटी और रतलाम ग्रामीण के धराड़, धामनोद आदि ग्रामों में अवैध कॉलोनियों में भी लोगों ने प्लॉट खरीद कर अपनी पूंजी लगाई है। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के अनुसार जिला स्तर पर अवैध कॉलोनियों के खिलाफ संचालित मुहिम में हर कस्बे और गांव की अवैध कॉलोनियों की सूची तैयार हो रही है। इसका उद्देश्य आम लोगों को जागरुक करना है, ताकि वे अवैध कॉलोनियों में अपना निवेश नहीं करें।

कलेक्टर के मुताबिक सूची जारी किए जाने के बाद निवेशक सोच समझकर ही अवैध कॉलोनी में निवेश करें। अन्यथा किसी भी प्रकार की परेशानी के जिम्मेदार स्वयं निवेशक होंगे। गौरतलब है कि जिले में प्रशासन ने कई अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्यवाही की है। हाल ही में जावरा में 15 कॉलोनियों पर कार्यवाही हुई है। इससे पहले नामली और ताल में कार्यवाही हो चुकी हैं। रतलाम में भी सूची जारी होने के बाद कार्यवाही संभावित है, क्योंकि कलेक्टर ने दावा किया है कि भू-माफियाओं और अवैध कॉलोनियों पर प्रशासन की मुहिम लगातार जारी रहेगी।

अवैध निर्माण तोड़कर दिया संदेश

शहर में सैलाना रोड पर चेतक ब्रिज के समीप बन रही द्वारका रेसिडेंसी के बाहर सीमेंट कांक्रीट की अवैध सड़क को प्रशासन ने तोड़ डाला है। बताया जाता है कि द्वारका रेसिडेंसी के निर्माता ने बिना अनुमति के शासन की 15 हजार वर्गफीट जमीन पर सीमेंट कांक्रीट सड़क का निर्माण कर लिया था। इसे तोड़कर प्रशासन ने अवैध निर्माणकर्ताओं को कड़ा संदेश देने की कोशिश की है। शासकीय जमीन का सीमांकन करने के बाद पिछले महीने ही प्रशासन और नगर निगम के दल ने द्वारका रेसिडेंसी की अवैध सीमेंट कांक्रीट सड़क पर जालियां लगा दी थीं। इससे उक्त सड़क का जनहित में अधिग्रहण कर उपयोग किए जाने की संभावना बनी थी, लेकिन बाद में प्रशासन ने इस सड़क को तोड़ने का निर्णय लिया।

उपग्रह 21/10/21

कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, बंध्याकरण के लिए संस्थाएं भी मदद को तैयार, लेकिन तरीका ठीक किया जाए

पशुप्रेमी बोले, श्वान पकड़ने के लिए अमानवीय तरीके हमें बर्दाश्त नहीं

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क

शहर में श्वान बंध्याकरण कार्य में प्रशासन का सहयोग करने को लेकर और अमानवीयतापूर्ण तरीकों से श्वान को पकड़ने का विरोध करते हुए पशु प्रेमी संस्थाओं ने प्रेस वार्ता कर अपनी बात कही। मंगलवार दोपहर को प्रेस क्लब में संयुक्त प्रेस कांन्फ्रेस कर संस्थाओ के प्रतिनिधियों ने कहा हमने खुद श्वान बंध्याकरण की पहल की थी। हम चाहते है कि कुत्तो को पकड़ने के लिए अमानवीय तरीको का उपयोग नही हो। बंध्याकरण के कार्य में संस्थाए भी मदद को तैयार है।

पशुप्रेमी संस्थाओ की संयुक्त प्रेसवार्ता में प्रबल सामाजिक संस्था की अदिति दवेसर, उपाध्यक्ष सरोज गुप्ता, जीवमैत्री परिवार के मदन सोनी, प्रकाश लोढा, दीपक कटारिया, ह्यूमन कॉपरेशन की आशा गुप्ता, एनीमल लवर्स ग्रुप की शिल्पा जोशी, सृजन फांउडेशन की रजनी प्रजापत सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे। इन्होने कहा कि शहर मे प्रदेश की सबसे अधिक डॉग बाइट हुई है जो कि चिंता का विषय है। जब भी श्वान को पकडने की बात आती है, पशुप्रेमी संस्थाओ को खलनायक के रूप में पेश करने की कोशिश की जाती है कि संस्थाए उन्हे रोक रही है। असल में संस्थाओ ने कभी उन्हे नही रोका। जीवप्रेमी संस्थाए यह चाहती है कि जो नियम बने हुए है, उन्ही तरीको से उन्हे पकडा जाए एवं उनका बंध्याकरण किया जाए। इसके लिए संस्थाए भी तन-मन धन से सहयोग करने को तैयार है। अदिति दवेसर ने कहा अमानवीय तरीको का विरोध है। उन्होने कहा नगर निगम द्वारा जुलवानिया में श्वान बंध्याकरण केंद्र का निर्माण बताया गया है, वो अधूरा है एक दिन में 80 श्वानो के बंध्याकरण करने का दावा किया जा रहा है। जो जीव बोल नही पाते उनके खान, रहने की एवं इलाज की अच्छी व्यवस्था हो, इसके लिए भी पशुप्रेमी संस्थाए मदद को तैयार है। सभी संस्थाओं ने कहा वे एक बार फिर से कलेक्टर से मिलकर सुव्यवस्थित बंध्याकरण करने के लिए मदद का प्रस्ताव रखेंगें।

21/10/21

प्रदीप त्रिवेदी व राजेन्द्र शर्मा का वेतन रोका

रतलाम। खुले में कचरा डालकर शहर को गंदा करने वाले नागरिक एवं दुकानदारों पर रोक लगाने हेतु पुलिस कन्ट्रोल रूम में सी.सी.टी.वी. (कन्ट्रोल रूम) से कचरा फेंकने वालों पर निगरानी रखने व विडियो क्लिप सहेजन हेतु पृथक-पृथक शिफ्टों में नियुक्त कर्मचारी प्रदीप त्रिवेदी सहायक वर्ग-2 व राजेन्द्र शर्मा सहायक राजस्व निरीक्षक द्वारा 2 दिन से रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करने पर निगम आयुक्त के निर्देशानुसार उक्त कर्मचारियों का 18 अक्टूबर से वेतन रोका जाकर कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया। खुले में कचरा फेंकने वालों पर निगरानी रखने व विडियो क्लिप सहेजन हेतु श्री त्रिवेदी सहायक वर्ग-2 को प्रातः 6 से दोपहर 3 बजे तक व श्री शर्मा सहायक राजस्व निरीक्षक को दोपहर 3 से रात्रि 12 बजे तक नियुक्त किया जाकर कचरा फेंकने वाले नागरिक, दुकानदार की जानकारी झोन प्रभारी, स्पॉट फाईन टीम व वार्ड प्रभारी को तत्काल उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया था किन्तु दोनो कर्मचारियों द्वारा विगत 2 दिनों से किसी भी प्रकार की रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करने पर 18 अक्टूबर से वेतन रोका जाकर कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया।

राजएक्सप्रेस 21/10/21

अवैध अनुमति प्राप्त 4 भवनों को तोड़ने के लिए नोटिस जारी

रतलाम। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देश पर अवैध निर्माण के विरुद्ध तीव्र गति से कार्रवाई जारी है। इस तारतम्य में नगर निगम द्वारा सालाखेड़ी तथा बंजली क्षेत्र में अवैध अनुमति से बनाए गए 4 भवनों को तोड़ने के लिए नोटिस जारी किया गया है। उक्त क्षेत्र नगर निगम सीमा क्षेत्र में आने से निर्माण नगर निगम की अनुमति से किया जाना था परंतु ग्राम पंचायत से अवैध अनुमति ली गई। उल्लेखनीय है कि बरबड़ क्षेत्र में दो आवासीय भवन तथा एक कमर्शियल कांप्लेक्स का निर्माण बंजली ग्राम पंचायत से अवैध अनुमति लेकर किया गया तथा महू नीमच रोड पर एक होटल निर्माण सालाखेड़ी ग्राम पंचायत से अवैध अनुमति लेकर किया गया। इस संबंध में संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंचों तथा सचिवों की भी जांच की जाकर दोषी पाए जाने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

प्रसारण 21/10/21

भीड़ वाले बाजार में नहीं होगी पटाखा दुकान

रतलाम, नप्र। पटाखे दुकान के लिए आवेदन 20 अक्टूबर तक किया जा सकता है। लायसेंस मिलने के बाद ही पटाखे की दुकान लगाई जा सकती हैं। पटाखे बेचने की अनुमति उसी जगह पर होगी जो जगह प्रशासन की ओर से तय की जाएगी। भीड़ वाले बाजारों में पटाखे नहीं बेचे जा सकेंगे, हाथठेलों पर भी नहीं। पटाखे नियत मानकों के ही बेचे जा सकेंगे। अधिक आवाज वाले बम, रॉकेट जैसे घातक पटाखों ना तो बेचे जाएंगे और नहीं उनका उपयोग किया जा सकेगा। दुकान भी पास-पास में नहीं होगी। कम से कम पन्द्रह मीटर की दूरी रखना होगी। आग से सुरक्षा के लिए रेत पानी के अलावा अग्निशामक का इंतजाम भी करना होगा और व्यापार बहुत ही सावधानी से करना होगा ताकि कोई घटना ना होने पाए।

प्रभातकिरण 20/10/21

बरबड़ और सालाखेड़ी में अवैध अनुमति प्राप्त 4 भवनों को तोड़ने के लिए नोटिस जारी

रतलाम। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देश पर अवैध निर्माण के विरुद्ध तीव्र गति से कार्रवाई जारी है। इस तारतम्य में नगर निगम द्वारा सालाखेड़ी तथा बंजली क्षेत्र में अवैध अनुमति से बनाए गए 4 भवनों को तोड़ने के लिए नोटिस जारी किया गया है। उक्त क्षेत्र नगर निगम सीमा क्षेत्र में आने से निर्माण नगर निगम की अनुमति से किया जाना था परंतु ग्राम पंचायत से अवैध अनुमति ली गई। उल्लेखनीय है कि बरबड़ क्षेत्र में दो आवासीय भवन तथा एक कमर्शियल कांप्लेक्स का निर्माण बंजली ग्राम पंचायत से अवैध अनुमति लेकर किया गया तथा महू नीमच रोड पर एक होटल निर्माण सालाखेड़ी ग्राम पंचायत से अवैध अनुमति लेकर किया गया। इस संबंध में संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंचों तथा सचिवों की भी जांच की जाकर दोषी पाए जाने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

नवभारत 21/10/21

स्व-सहायता समूह की महिलाओं में स्व-रोजगार के प्रति बढ़ता जुनून

रतलाम। महिला सशक्तिकरण की दिशा में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य शासन की नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ कर उन्हें स्व-रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विशेष रूप से आजीविका मिशन के माध्यम से बड़ी संख्या में बनाए गए महिला स्व-सहायता समूहों को हर संभव सहयोग दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि समूहों की सक्रियता से महिलाएँ सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं की मेहनत और स्व-रोजगार के प्रति जुनून आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के संकल्प को पूरा करने में सहयोगी बनेगा।

आजीविका मिशन में 3 लाख 33 हजार स्व- सहायता समूह गठित- उल्लेखनीय है कि प्रदेश के लगभग 45 हजार ग्रामों में करीब 3 लाख 33 हजार स्व-सहायता समूहों का गठन कर लगभग 38 लाख महिलाओं को जोड़ा जा चुका है। मिशन के अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए भरपूर धन राशि का इंतजाम किया है। समूहों से जुड़ने के लिए पात्र परिवारों में शेष बचे सभी परिवारों को अगले 3 वर्षों में स्व-सहायता समूहों से जोड़ लिया जाएगा।

आर्थिक गतिविधियों के लिए पूंजी का इंतजाम-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्व- सहायता समूहों को सस्ती ब्याज दर और सरल प्रक्रिया से बैंक ऋण उपलब्ध कराने के काम को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा है। ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका गतिविधियों को और सुदृढ़ करने के लिए विगत वर्षों की तुलना में बैंक ऋण राशि में काफी वृद्धि की गई है। इसे राज्य सरकार द्वारा 300 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 1300 करोड़ रुपए किया गया और इस वर्ष 2550 करोड़ रुपए बैंक ऋण स्व-सहायता समूहों को उपलब्ध कराने का लक्ष्य सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है। ऋण राशि पर ब्याज अनुदान भी सरकार द्वारा दिए जाने का निर्णय लिया गया है, जिससे ब्याज का बोझ कम हो रहा है और ऋण वापसी और भी सरल हो गई है।

निर्धन तबके की आर्थिक स्थिति में तेजी से सुधार के लिए प्रदेश में मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना के अंतर्गत भी 10 हजार रुपए तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इस राशि के मिलने से समूहों की गतिविधियाँ और बढ़ गई हैं।

एमपी आजीविका मार्ट पोर्टल-मुख्यमंत्री श्री चौहान का कहना है कि प्रदेश की आजीविका उत्पादों को सरकारी और निजी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर वृहद बाजारों से जोड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म से भी जोड़ा गया है। ताकि उचित दाम में सामान सीधे खरीदा और बेचा जा सके, जिसका फायदा समूह सदस्यों को अधिक से अधिक मिल सकेगा। स्व- सहायता समूहों और बाजार के बीच कोई भी बिचौलिया नहीं हो, यही राज्य शासन का प्रयास है।

इसके लिए राज्य शासन ने एमपी आजीविका मार्ट पोर्टल बनाया है। यह पोर्टल समूहों द्वारा बनाई जा रही वस्तुओं को बेचने और खरीदने के लिए बहुत ही सुगम माध्यम है। इस व्यवस्था को जल्दी ही सर्वव्यापी करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे कि समूह की बहनों के व्यवसाय को गति मिल सके।

पोर्टल में समूह की बहनें अपने उत्पादों को दर्ज करा सकती हैं। अपना नाम, पता और फोन नंबर अंकित कर सकती हैं, जिससे खरीददार बहनों से खुद संपर्क कर सकते हैं और उत्पाद सीधे बहनों से क्रय कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में समूह की महिलाओं को अधिक मुनाफा मिलना तय है। कई जिलों में करोड़ों रुपए का व्यवसाय पोर्टल के माध्यम से किया गया है। शेष जिलों में भी तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं।

स्व-रोजगार के अनेक अवसर-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है प्रदेश सरकार महिला स्व- सहायता समूहों को मजबूती प्रदान करने के लिए हर कदम पर बहनों के साथ खड़ी है। प्रयास है कि समूह सदस्यों को काम शुरू करने के लिए एक नहीं अनेक अवसर दिए जाएँ। राज्य सरकार द्वारा अनेक काम समूहों को दिए जा रहे हैं। समूहों को समर्थन मूल्य पर कृषि उपज क्रय करने के लिए पहले से ही जोड़ा जा चुका है। अब उचित मूल्य की दुकानों के संचालन और पोषण आहार निर्माण से भी जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में शालेय गणवेश सिलाई का काम समूहों को दिया गया है। पिछले वर्ष समूह सदस्यों ने अच्छा काम किया था। इस बार फिर से महिला समूहों को स्कूल गणवेश का काम दिया गया है। काम में पारदर्शिता बनाए रखने और प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए स्व- सहायता पोर्टल बनाया गया है, जिसकी सहायता से यह काम और भी आसान हो गया है।

व्यवसाय के लिए जरूरी सामग्री स्वयं खरीदें-मुख्यमंत्री श्री चौहान का कहना है कि समूह की बहनें तभी और मजबूत बनेगी जब वे अपने लिए और समूह के लिए जरूरी चीज़ों की खरीददारी स्वतंत्र रूप से खुद करेंगी। इसलिए कोई भी सामग्री बाजार में सर्वे कर स्वयं खरीदें। बनाई गई वस्तुएँ उचित दाम में बेचे। क्रय- विक्रय की प्रक्रिया में कोई बिचौलिया न रहने दें। बहनें आपसी समन्वय एवं परामर्श से ही यह कार्य करें और लिखा -पढ़ी तथा हिसाब- किताब साफ- साफ रखें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान का मानना है कि उत्साह और हौंसले के साथ ही जिस रफ्तार से समूह की बहनें गरीबी को हराकर संपन्नता की और अग्रसर हो रही हैं। उस रफ्तार से आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश बनाने में अधिक समय नहीं लगेगा।

समूह की महिलाओं का बीमा-राज्य सरकार ने महिला स्व- सहायता समूह की महिलाओं का बीमा करवाने का अभियान चलाया है। शासन का प्रयास है कि सभी बहनें बीमा से जुड़ जाएँ, ताकि असामयिक मृत्यु पर कठिन समय में परिवार को कुछ धनराशि की सहायता मिल सके। इसके लिए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना में प्रीमियम जमा करके इस योजना का फायदा उठाया जा सकता है। बैंकों के माध्यम से बीमा आसानी से किया जा रहा है। प्रसन्नता की बात है कि बड़ी संख्या में समूहों की बहनों का बीमा हो चुका है।

सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में नए आयाम-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी समूह की महिलाओं ने नए आयाम स्थापित किए हैं। ग्रामीण क्षेत्र में समूह की बहनों द्वारा नशा मुक्ति, बाल विवाह को रोकने, स्वच्छता, पोषण और पर्यावरण संरक्षण जैसे गंभीर विषयों पर भी सामाजिक व्यवहार परिवर्तन के लिए सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं।

वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान कोरोना संक्रमण से बचाव की सामग्री बनाकर आपदा को अवसर में बदलने समूह की महिलाओं ने अच्छा काम किया है। लॉकडाउन से लेकर अब तक करीब 2 करोड़ मास्क, 1.5 लाख पीपीई किट, 1.60 लाख लीटर सैनिटाइजर, 33 [illegible] लीटर हैंड वास और लगभग 8 लाख से भी अधिक साबुन [illegible] है।

कोविड-19 टीकाकरण, बाढ़ पीड़ितों के लिए भोजन पका कर देने और जैविक कृषि पद्धति को अपनाने के लिए समूह की महिलाओं द्वारा अच्छा कार्य किया गया है।

योजनाओं की निगरानी एवं क्रियान्वयन में सक्षम बनी महिलाएँ-यह बड़े गर्व की बात है कि समूह की बहनें ग्राम पंचायत स्तर पर सामुदायिक विकास की योजनाओं की निगरानी के साथ क्रियान्वयन में भी सहयोग कर रही हैं। बिजली बिल के वितरण एवं संग्रहण और काफी समय से लंबित बिजली बिलों को जमा कराने का काम बहनें कर रही हैं।

ऑक्सीजन प्लांट का संचालन समूह की महिलाओं द्वारा-प्रदेश के श्योपुर जिले में तो ऑक्सीजन प्लांट का संचालन भी महिला स्व -सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है। बहनों के उत्साह और क्षमता को देखते हुए राज्य सरकार ने और कई काम महिला समूहों को सौंपने का निर्णय लिया है। गाँव में नल-जल योजनाओं के संचालन का काम महिला समूहों को दिया जा रहा है। अभी कुछ जिलों में समूहों ने नल- जल योजनाओं का सफल संचालन करके दिखाया है। पोषण आहार संयंत्रों के संचालन की जिम्मेदारी संभालेंगी महिला समूह प्रदेश के सातों टीएचआर प्लांट का संचालन महिला समूहों को देने का निर्णय लिया गया है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश में पोषण आहार तैयार कर विक्रय से होने वाले मुनाफे से प्रदेश के लाखों समूह सदस्य लाभान्वित होंगे। प्रदेश में देवास, धार, होशंगाबाद, मंडला, सागर, रीवा और शिवपुरी में टीएचआर संयंत्र स्थापित किए गए हैं। वर्तमान में इन संयंत्रों से प्रतिमाह 50 से 60 करोड़ रुपए का पोषण आहार तैयार होता है।

21/10/21

फ्रीगंज क्षेत्र में पाइप गोदाम के बाहर लगी आग, बड़ा हादसा टला

प्रसारण न्यूज • रतलाम

फ्रीगंज क्षेत्र में पाइप गोडाउन के बाहर आज सुबह आग लग गई। प्रकाश ट्रेडर्स के इस गोडाउन के अंदर भी पीवीसी पाइप रखे हुए थे। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया अन्यथा बीते दिनों मोहन नगर में हुए अग्निकांड की तरह शहर के बीचोबीच स्थित फ्रीगंज क्षेत्र भी आग से दहल जाता।

जानकारी के अनुसार सुबह 9.30 बजे के करीब गोडाउन के गेट पर अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिसे दमकल की गाड़ी की मदद से बुझा दिया गया। यह गोडाउन कृषि सामग्री विक्रेता प्रकाश ट्रेडर्स का बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि बीते दिनों रतलाम के मोहन नगर में पाइप गोदाम में भीषण आग लग गई थी जिसकी वजह से मोहन नगर और गणेश नगर के 1 दर्जन से अधिक मकानों में भारी नुकसान हुआ था। वहीं, दमकल की 8 से 10 गाड़ियों की मदद से

रिहायशी इलाके में हुए अग्निकांड पर काबू पाया जा सका था। मोहन नगर स्थित यह अवैध गोडाउन पगारिया ट्रेडर्स का था जिसमें कृषि उपयोग के पीवीसी पाइप रखे हुए थे।

इसके बाद आज एक बार फिर शहर के बीचोबीच फ्रीगंज क्षेत्र में एक गोडाउन में बड़ा हादसा होने से टल गया है। गोडाउन के बाहर गेट पर लगी आग को समय रहते दमकल की मदद से बुझा दिया गया।

कलेक्टर के आदेशों पर नहीं हुआ अमल

रतलाम के मोहन नगर में पाइप गोडाउन में हुए भीषण अग्निकांड के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से बनाए गए गोडाउन को जमींदोज कर दिया था। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने अधिकारियों को आदेश दिए थे कि आम लोगों के खतरनाक और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले व्यवसाय और गोडाउन को चिन्हित कर इन्हे रिहायशी इलाकों से हटाया जाए। लेकिन शहर के बीचो बीच ऐसे कई गोडाउन मौजूद है जिसमें ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण किया जा रहा है। अकेले फ्रीगंज क्षेत्र में ही कृषि वस्तुओं और कृषि पाइप के कई गोडाउन मौजूद है। जिसमें से प्रकाश ट्रेडर्स के गोडाउन के बाहर आज आग लग गई थी। बहरहाल फ्रीगंज क्षेत्र में पाइप गोडाउन के बाहर लगी आग पर काबू पा लिया गया लेकिन शहर के बीचोबीच स्थित इस तरह के गोडाउन किसी बड़े अग्निकांड को दावत दे रहे हैं।

प्रभात 21/10/21

183 हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन

रतलाम ● सामाजिक सुरक्षा, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन, राष्ट्रीय विधवा पेंशन, राष्ट्रीय नि:शक्त पेंशन, सामाजिक सुरक्षा वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, नि:शक्त पेंशन, मानसिक बहुविकलांग पेंशन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों का शासन निर्देशानुसार भौतिक सत्यापन वार्ड दरोगा व नियुक्त कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर व वार्डवार बनाए गए केन्द्रों पर किया जा रहा है जिसके तहत मंगलवार तक 1853 पेंशन हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन किया जा चुका है।

7552 आयुष्मान कार्ड बनाए गए

रतलाम ● निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि गरीब एवं असहाय परिवारों पर बीमारियों पर खर्च होने वाले आर्थिक बोझ एवं गुणवत्तापूर्वक इलाज समय पर उपलब्ध कराए जाने हेतु आयुष्मान भारत ''निरामयम'' योजना के तहत नगर के शेष रहे पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड नगर निगम के विकास शाखा स्थित आईटी सेल में बनाए जा रहे है। वार्डवार गठित दलों व उचित मूल्य की दुकानों पर 7316 कार्ड बनाए गए थे इस तरह अब तक 7552 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।

स्वदेश 21/10/21

स्वनिधि के ब्याज मुक्त ऋण से लाभान्वित

रतलाम ● निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि प्रथम कार्यशील पूंजी हेतु 1770 हितग्राहियों को राशि रुपए 10,000/- तथा द्वितीय कार्यशील पूंजी हेतु 63 हितग्राहियों को राशि रुपए 20,000/- ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया गया है। एनयूएलएम स्वरोजगार ऋण योजना में 35 हितग्राहियों व एनयूएलएम स्वरोजगार समूह ऋण योजना में 2 समूह को ऋण उपलब्ध कराया गया है। पथ विक्रेता पंजीयन कार्ड व आधार लिंक से मोबाइल नम्बर साथ लाना होगा।

स्वदेश

जुर्माने की कार्रवाई

रतलाम ● शहर की मुख्य सड़के सैलाना रोड, सागोद रोड, मह रोड, स्टेशन रोड सहित अन्य सड़कों के किनारे नगर निगम की बिना अनुमति के निर्माण प्रारंभ पाए जाने पर उन्हें तोड़ने की कार्रवाई निगम आयुक्त द्वारा गठित दलों के द्वारा प्रारंभ की गई है। साथ ही संबंधितों से 15 हजार रुपए प्रति घन्टे के मान से तोड़ने की राशि वसूल की जाएगी। निगमायुक्त ने बताया कि मुख्य सड़कों के किनारे नगर निगम की बिना अनुमति निर्माण प्रारंभ पाए जाने पर तोड़ने की कार्रवाई प्रतिदिन की जाए व संबंधितों से 15 हजार रूपये प्रति घन्टे के मान से तोड़ने की राशि वसूल की जाये।

स्वदेश

86 टन कचरा जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचाया

रतलाम। नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहनों के माध्यम से घर-घर से पृथक-पृथक एकत्रित किया जा रहे गीले-सूखे कचरे, सड़कों व नाले-नालियों की सफाई के दौरान निकलने वाले कचरे का प्रतिदिन वजन कर जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पर पहुंचाया जा रहा है। इसके तहत बुधवार को 86 टन कचरा जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पर पहुंचाया गया।

1971 पेंशन हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन

रतलाम। शहर के सामाजिक सुरक्षा, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन, राष्ट्रीय विधवा पेंशन, राष्ट्रीय निशक्त पेंशन, सामाजिक सुरक्षा वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, निशक्त पेंशन, मानसिक बहुविकलांग पेंशन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों का शासन निर्देशानुसार भौतिक सत्यापन वार्ड दरोगा व नियुक्त कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर व वार्डवार बनाए गए केंद्रों पर किया जा रहा है। इसके तहत बुधवार को 118 पेंशन हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन किया गया। इस तरह अब तक 1971 पेंशन हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन किया जा चुका है।

नईदुनिया 21/10/21

ये कैसी त्योहारी तैयारी... अब फ्रीगंज में प्लास्टिक सामग्री गोदाम पर आग, निगम, पुलिस, प्रशासन की जांच जारी

मोहननगर की आग कागजों कैद, अब फ्रीगंज में भड़की

इस तरह तीन स्तरों पर जांच के हाल

1. अब तक अधूरी निगम की जांच

निगम ने शहर में 49 वार्डों में जांच के लिए दल का गठन किया। इसके बाद एक उपयंत्री के साथ दो कर्मचारी अलग-अलग वार्डों में जांच के लिए 14 अक्टूबर को नियुक्त किए गए व सभी को 19 अक्टूबर तक अपनी रिपोर्ट सौंपना थी। 20 अक्टूबर तक जांच वार्डों में पूरी नहीं हो पाई है।

2. प्रशासन की जांच भी जारी

इधर प्रशासन ने पटवारियों, राजस्व अधिकारियों व पुलिस से शहर में सभी वार्डों में जांच करवाई है। इसकी जांच भी फिलहाल चल रही है। वार्डों की जांच रिपोर्ट भी एक दो दिन में प्रशासनीक अधिकारी कलेक्टर को सौप देंगे। इसके बाद बड़ा निर्णय होगा।

3. पुलिस की जांच भी अधूरी

पुलिस की जांच अभी एक सप्ताह में भी पूरी नहीं हुई है। रिपोर्ट दर्ज कराने वाले फरियादियों के बयान दर्ज के साथ घटनास्थल का पटवारी पंचनामा, घटनास्थल के अन्य साक्ष आदि भी एकत्रित किए जा रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्र पुलिस थाने के टीआई ओपी सिंह के अनुसार जांच प्रक्रिया में है।

पत्रिका इंडेप्थ स्टोरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. त्योहारों पर रहवासी और कम व्यावसायिक इलाकों में सुरक्षा को लेकर कई निर्देश जारी हो रहे हैं तो पटाखा गोदामों की तलाश में अमला लगा हुआ है, लेकिन हालात नहीं बदल रहे। मोहननगर में एक प्लास्टिक गोदाम में आग का बवाल अभी थमा भी नहीं है कि बुधवार को फ्रीगंज में भी एक प्लास्टिक सामग्री के गोदाम में आग लग गई। हालांकि आग लगाने का कारण गोदाम के पास नगर निगम का कचरा पाइंट बताया जा रहा है। कचरा जलाने से आग गोदाम तक पहुंच गई और सामग्री को चपेट में ले लिया, नगर निगम इसकी जांच कराएगा। जबकि मोहननगर गोदाम की जांच अब तक पूरी नहीं हुई है। फ्रीगंज की आग के स्पष्ट कारण तो जांच के बाद सामने आएंगे, लेकिन त्योहारों पर सुरक्षा तो फिलहाल नजर नहीं आ रही।

शहर के फ्रीगंज रोड स्थित प्रकाश ट्रेडर्स के गोदाम में बुधवार सुबह करीब 9 बजे बाद आग लग गई। आग लगने का कारण नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा जलाया गया कचरा बताया जा रहा हैं। एक सप्ताह में दूसरी बार शहर में प्लास्टिक के गोदाम में आग लगने की घटना हुई हैं। इसके पहले हुई घटना की नगर निगम, औद्योगिक पुलिस, प्रशासन सभी इस मामले में जांच एक सप्ताह में भी पूरी नहीं कर पाए है। जांच के बाद ही कारोबारियों को अपने गोदाम शहर से बाहर करने के लिए एक पखवाड़े का नोटिस दिया जाएगा। इधर, शहर के रहवासी क्षेत्र फ्रीगंज में बड़ा हादसा टल गया। जब क्षेत्रीय नागरिकों ने समय रहते दमकल को सूचना दे दी व स्वयं भी पानी की केन आग की लपटों पर डाली। गोदाम संचालक के अनुसार नगर निगम के कर्मचारियों ने ही कचरे में आग लगाई जिससे आग उसके गोदाम तक आ गई। वहीं, नगर निगम गोदाम संचालक के आरोपों पर कचरा जलाने की जांच की बात कह रहा है।

गेट से आगे नहीं बढ़ने दिया गया

नगर निगम के कर्मचारी दशरथ के अनुसार जब वे दमकल लेकर आए तो देखा गोदाम के गेट पर आग की लपटे थी। इसके बाद ताबड़तोड़ दमकल में लगे वॉल को खोलकर आग पर काबू पाया गया। अगर समय रहते नगर निगम की दमकल नहीं पहुंचती तो बड़ी दुर्घटना को रहवासी क्षेत्र में होने से रोकना मुश्किल था। घटना के दौरान काफी भीड़ भी एकत्रित हो गई।

पगारिया प्लास्टिक गोदाम की जांच बाकी

शहर में 14 अक्टूबर को मोहननगर क्षेत्र में पगारिया प्लास्टिक के गोदाम में अग्निकांड हुआ था। उस समय क्षेत्रीय युवकों सहित अन्य ने काफी मदद की थी, लेकिन 15 दमकल आग पर काबू पाने में लग गई थी। अभी तक गोदाम संचालक राजेश पगारिया की गिरफ्तारी नहीं हुई है। दूसरी तरफ रजिस्ट्रार कार्यालय से गोदाम के बारे में मांगी गई जानकारी भी रजिस्ट्रार कार्यालय की तरफ से उपलब्ध नहीं कराई गई है। विभाग का कहना है कि शासकीय अवकाश के चलते कार्य में दस्तावेजों की कमी से रुकावट आ रही है। पुलिस से लेकर नगर निगम मामले की जांच कर रही है। नगर निगम ने तो उपयंत्रियों का एक दल रहवासी क्षेत्र में प्लास्टिक गोदाम से लेकर ज्वलनशील पदार्थ की जांची के लिए बना दिया है।

हमारी नहीं निगम की गलती

आग लगी यह सही है, लेकिन इसमें हमारी नहीं, नगर निगम कर्मचारियों की गलती है। उनके कर्मचारी कचरा सडक पर जलाते है। बाजार में तो तेल के ड्रम पड़े रहते है। इस प्रकार से तो यह कर्मचारी शहर में कही भी बड़ा अग्निकांड करवा देंगे।

- अभिषेक कोठारी, गोडाउन संचालक

कार्रवाई की जाएगी

अगर कर्मचारी ने कचरा जलाया है तो उसको बर्खास्त किया जाएगा। नगर निगम द्वारा वार्डों में करवाई गई जांच जारी है, शुक्रवार तक जांच रिपोर्ट आएगी।

- सोमनाथ झारिया, नगर निगम आयुक्त

एक पखवाड़े का समय

शहर में 14 अक्टूबर को आग की घटना के बाद सभी स्तर से जांच प्रक्रिया जारी है। ज्वलनशील सामाग्री के गोदाम शहर से बाहर के लिए नोटिस दिया जाएगा। वैकल्पिक स्थान तलाशना होंगे। गोदाम बाहर नहीं हुए तो नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

- कुमार पुरुषोत्तम, कलेक्टर

पत्रिका 21/10/21

खाली प्लाटों पर लग रहा कचरे व गंदगी का ढेर

प्लाट मालिकों पर प्रशासन नहीं कर रहा कार्रवाई

रतलाम ● शरद जोशी

जब से कोरोना का प्रकोप फैला है, डेंगू और वायरल बुखार जोर पकड़ता जा रहा है तब से नगर निगम द्वारा स्वच्छता अभियान नगर में व्यापक पैमाने पर चलाया जा रहा है। शासन का लाखों रुपया सफाई के नाम पर खर्च हो रहा है। सैकड़ों सफाई कर्मी नगर के विभिन्न वार्डों में साफ-सफाई के लिए जुटे है। घर-घर से कचरा उठाने का अभियान चलाया गया है, लेकिन उसके बाद भी स्थिति यह है कि नागरिक समझने व सुधरने को तैयार नहीं है।

नागरिकों की स्थिति यह है कि जहां मौका मिला कचरा फैंकने की आदत उनकी जाती नहीं है। यही कारण है कि शहर के विभिन्न इलाकों में सफाईकर्मी क्षेत्र में सफाई करने के बाद चले जाते है उसके बाद कई महिलाएं वापस कचरा फैंक देती है, चाहे वह गली का कोना हो या सड़क का कोना। इससे कचरा उड़कर सड़कों पर फैल जाता है। सफाईकर्मियों की मेहनत भी बेकार हो जाती है और

पैलेस रोड स्थित खाली प्लाट

पैलेस रोड पर हवेली तोड़कर बनाया खाली प्लाट।

नगर की स्वच्छता पर कलंक लगना शुरू हो जाता है। नगर में कई भू-स्वामी, भू-माफिया ऐसे है जो पुराने मकान खरीद लेते है, उनको जमींदोज कर उनका प्लाट बना देते है और बाद में महंगे भाव में बेचने की नीयत से महिनों तक खाली पड़ा रहने देते है, ताकि उस प्लाट की अधिक से अधिक कीमत आ सके। यदि शहर में सर्वे किया जाए तो काफी संख्या में ऐसे मकान जो प्लाट बन चुके है देखे जा सकते है।

ऐसे खाली प्लाट कचरा अड्डा के रूप में भी परिवर्तित हो जाते है। लोगों को जहां खाली जगह मिलती है, स्वभाव के अनुरूप वे उसे कचरा अड्डा बना लेते है।

आवासीय बस्तियों में खाली प्लाट

मकान तोड़कर खाली प्लाट बनाने तथा खाली प्लाटों को खरीदकर मकान बनाने की आवश्यक शर्त तो शायद नगर निगम कानून में होगी ही, क्योंकि अधिक दिनों तक आवासीय बस्ती में कोई व्यक्ति खाली प्लाट इसलिए नहीं रख सकता कि वह अधिक कीमत आने पर उसे बेच सके। शासन की मंशा यह है कि आवासीय बस्ती में जो भी प्लाट खरीदता है या शासन की एजेंसी से कोई व्यक्ति प्लाट क्रय करता है तो उसे निर्धारित अवधि में मकान बनाना आवश्यक रहता है। यदि कोई व्यक्ति धंधे के रूप में प्लाटों को इसी आशय से खाली रखे कि वह अच्छी कीमत आने पर बेच सके तो यह बेमानी होगा, इससे शासन की मंशा हर व्यक्ति का मकान होने की पूरी नहीं होती।

शहर में कई ऐसे प्लाट

शहर में कई ऐसे जमीन माफिया है जिन्होंने कई पुराने मकान इसी आशय से खरीद लिए है कि वह उन्हें तोड़कर प्लाट बनाए और उसका अच्छा मुनाफा मिलने पर बेच दे। ऐसे लोगों की संख्या नगर में काफी है। सर्वे करके ऐसे लोगों के विरूद्ध भी प्रशासन को कार्रवाई करना चाहिए ताकि प्लाट के नाम पर मुनाफाखोरी करने वाले लोगों पर अंकुश लगाया जा सके। जो प्लाट खरीदकर स्वयं अपना मकान बनाने चाहते है ऐसे लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, उनको आसानी से मकान निर्माण करने की अनुमति मिलना चाहिए, लेकिन ऐसे लोग भटकते रहते है उन्हें निगम से अनुमति नहीं मिलती।

यही हाल शहर के विभिन्न स्थानों पर खाली प्लाटों पर देखा जा सकता है, जो कचरा अड्डा बन चुके है।

खाली प्लाटों को करें जब्त

शासन-प्रशासन को चाहिए कि वह निर्धारित अवधि के बाद खाली प्लाटों पर मकान न बनाने वाले प्लाट स्वामी के प्लाट या तो जब्त करें या फिर उन्हें आदेशित करें कि वह निर्धारित अवधि में अनुमति लेकर मकान बनाए, ताकि अधिक मुनाफा कमाने की उनकी नीयत पर अंकुश लग सके, साथ ही खाली प्लाट जो कचरे के अड्डे के रूप में परिवर्तित होते जा रहे है उन पर भी अंकुश लगे।

कई ऐसे भी है जिन्होंने दीवार बनाकर या पतरे लगाकर ढंक दिया

शहर में कई ऐसे प्लाटधारी भी है जिन्होंने पुराने मकानों को तोड़कर प्लाट बना लिए है, उन पर दीवार बनाकर या पतरे लगाकर ढंक दिया है। ऐसे प्लाट भी वर्षों पूर्व तैयार किए गए है। पैलेस रोड पर एक हवेली तोड़कर बनाया गया बड़ा प्लाट अड़ोस-पड़ोस वालों के लिए खतरा बना हुआ है, क्योंकि इस प्लाट में लम्बी झाड़ियां भी है और जानवर भी। वार्ड दरोगाओं को कई बार अड़ोस-पड़ोस के लोगों ने कहा लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती। इस संबंध में भी निगम प्रशासन को चाहिए कि वह नीति निर्धारित कर ठोस कार्रवाई करें।

भीषण आगजनी ने रतलामवासियों को दिए कई सबक

जल्द पूरा हो ओवरब्रिज का काम : नगर निगम संसाधन नहीं रहे मजबूत

रतलाम। मोहन नगर में प्लास्टिक पाइप के गोदाम में हुई भीषण आगजनी रतलामवासियों को कई सबक दे गई है। इस आगजनी में मौसम ने साथ दिया, अन्यथा यदि हवा का रुख बदलता तो बड़ा हादसा हो जाता। आगजनी के दौरान एक बार फिर नगर निगम के साधनों की बेवसी सामने आई, वहीं सुभाष नगर ओवरब्रिज के धीमे काम को भी कोसा गया। इससे समय पर राहत पहुँचाने में दिक्कतें आई वहीं साधनों की कमजोरी से अरबों का बजट रखने वाली नगर निगम की पोल भी खुल गई।

आगजनी के दिन नगर निगम की पांच में से तीन ही फायर लारियां चालू हालत में थीं। निजी टैंकरों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। अन्यथा निगम अमला तो असहाय ही नजर आया। इस आगजनी में घर की छतों पर रखी पानी की प्लास्टिक की टंकियां पिघल गईं। कुछ जगह तो वे टूट भी गईं, जिससे आगजनी की भयावहता को सहज समझा जा सकता है। विडंबना है कि ऐसे हादसों के लिए शहर में कोई तैयारी नहीं है, ऐसे हादसे जब होते हैं, तभी संसाधनों और लापरवाहियों की पोल खुलती है। प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर कुछ दिन चिंता की जाती है और बाद में सभी गंभीर लापरवाहियों को भूल जाते हैं।

इस हादसे में जो बड़ी लापरवाहियां सामने आई हैं। उनमें पहली ये कि पेट्रोल पंप से कुछ दूरी पर अवैध गोदाम बन गया और किसी ने उसकी चिंता नहीं की। और दूसरी ये कि नगर निगम की 5 में से 3 ही फायर लॉरियां ही चालू हालत में थीं और उनमें भी कई कमियां थीं। एक फायर लारी को तो लोगों को धक्का लगाकर आगे बढ़ाना पड़ा। यदि निगम का अमला समय रहते इन संसाधनों का रखरखाव करता रहे, तो समय आने पर ये धोखा नहीं देंगे। तीसरी बड़ी ये लापरवाही है कि घटना स्थल के पहुंच मार्ग पर सालों से सुभाष नगर में ओवरब्रिज बनाने का काम चल रहा है। इसे समय पर पूरा कर लिया जाता, तो भी समय पर आग पर काबू पाया जा सकता था।

नगर निगम आयुक्त ने आगजनी काबू में आने के बाद गोदाम को अवैध करार देते हुए उसकी बाउंड्रीवॉल तुड़वा दी, वहीं गोदाम संचालक पर एफआईआर दर्ज करवाने का दावा भी किया। लेकिन विडंबना है कि जब गोदाम बना, तब नगर निगम का अमला कहां था। निगम के अमले ने समय रहते जागरूकता दिखाई होती, तो आगजनी नहीं होती। इस आगजनी के बाद सुभाष नगर ब्रिज का काम जल्द पूरा करने की आवश्यकता खड़ी हो गई है। ब्रिज के काम में विलंब से क्षेत्र के हजारों लोगों को रोज परेशानी उठाना पड़ रही है।

दीपावली पर करना पड़ेगा परेशानी का सामना

सुभाष नगर ओवरब्रिज का काम पूरा नहीं होने से दीपावली पर फिर लोगों को परेशानी उठाना पड़ेगी। ब्रिज के लिए बिजली के पोल और लाइन की शिफ्टिंग सहित कई काम बाकी हैं। ब्रिज के नीचे से गुजर रही रेल लाइन के ऊपर 72 मीटर का हिस्सा रेलवे का ठेकेदार काफी धीमी गति से बना रहा है। काम में देरी से इस ब्रिज की लागत 25 करोड़ से बढ़कर 34 करोड़ रुपए तक जा पहुंची है। धीमी गति के कारण पटरी पार रहने वाले लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे राम मंदिर, शहर सराय और बाजना बस स्टैंड क्षेत्र में यातायात का दबाव बन रहा है। 34216

34216 21/10/21

कार्रवाई • अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई तेज, प्रशासन की नजर शहर की कई प्रॉपर्टियों पर, जांच जारी

होटल लावण्या पैलेस सालाखेड़ी, बरबड़ में एक कॉम्प्लेक्स और दो मकान तोड़ने का नोटिस जारी

सुनवाई और दस्तावेजी कार्रवाई के बाद चारों प्रॉपर्टियों पर निगम के बुलडोजर चल सकते हैं

भास्कर संवाददाता | रतलाम

सैलाना रोड स्थित द्वारका रेजीडेंसी के बाद सरकारी अमले ने अवैध निर्माण तोड़ने की कार्रवाई तेज कर दी है। इस सिलसिले में नगर निगम ने चार और होटल, कॉम्प्लेक्स और मकानतोड़ने का नोटिस जारी किया हैं। इनमें सालाखेड़ी स्थित होटल लावण्या पैलेस तथा सैलाना रोड बरबड़ स्थित दो मकान और एक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स शामिल हैं। सुनवाई और अन्य दस्तावेजी कार्रवाई के बाद चारों प्रापर्टियों पर नगर निगम के बुलडोजर चल सकते हैं।

कार्रवाई का आधार अवैध अनुमति लेकर किया गया निर्माण है। दरअसल बरबड़ और सालाखेड़ी दोनों ही नगर निगम सीमा क्षेत्र में आते हैं। बावजूद संपत्तियों के मालिकों ने गलत तरीके से पंचायत से अनुमति लेकर होटल, मकान और दुकानें बना दी। शिकायत मिलने के बाद जांच करवाकर कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देश पर नगर निगम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। बरबड़ क्षेत्र में दो आवासीय भवन तथा एक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स शामिल है। इनका बंजली पंचायत से अवैध अनुमति लेकर निर्माण किया गया है। दूसरी मह नीमच रोड पर एक होटल है, जिसका निर्माण सालाखेड़ी पंचायत से अवैध अनुमति लेकर किया गया। इन पर कार्रवाई के साथ ही प्रशासन अनुमति देने वाली पंचायतों के सरपंच और सचिवों की भी जांच करवा करवाएगा। दोषी पाए जाने पर उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। वे दोषी पाए जाने पर पद से पृथक भी हो सकते हैं।

सालाखेड़ी स्थित लावण्या पैलेस को जारी हुआ नोटिस

सालाखेड़ी पंचायत से अनुमति लेकर नगरीय सीमा में निर्माण का है नोटिस।

नगर निगम ने इनको जारी किए नोटिस

• अशोक कुमार हरिवल्लभ माहेश्वरी (प्रताप नगर), होटल लावण्या पैलेस सालाखेड़ी	• रोशनलाल, राजूलाल पिता शंकरलाल, 3500 वर्गफीट में दुकानें, बरबड़	• चंद्रप्रकाश पिता सुंदरलाल त्रिवेणी, 588 वर्गफीट मकान, बरबड़	• मो. आमिर पिता अब्दुल रहमान अंसारी, 1500 वर्गफीट मकान, बरबड़

आज निरस्त हो सकती है द्वारका रेजीडेंसी की निर्माण अनुमति

राम मंदिर के सामने अधूरी पड़ी द्वारका रेजीडेंसी की निर्माण अनुमति गुरुवार को निरस्त हो सकती है। कलेक्टर के निर्देश पर नगर निगम ने जांच कर दस्तावेजी कार्रवाई पूरी कर ली है। अब सिर्फ आर्डर निकलने की देर हैं। बुधवार को नगर निगम के अमले ने दो दिन में तोड़े गए सीसी वर्क के मलबे को उठाया। इस कार्य में जेसीबी और डंपर के माध्यम से रात 9.40 बजे तक चला। कल भी मलबा उठाया जाएगा। इसके बाद चार दिन में साधन-संसाधन पर जितना खर्च हुआ है उसकी भरपाई फर्म संचालकों से ही की जाएगी। आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया इसके 15 हजार रुपए प्रति घंटे के मान से शुल्क वसूला जाएगा। बता दें कि द्वारका रेजीडेंसी फर्म ने सामने वाली 8500 वर्ग फीट जमीन को सड़क बताते हुए बिना अनुमति सीसी वर्क कर दिया है। इस पर जांच के बाद प्रशासन ने 29 अगस्त को लोहे की जाली लगाकर कब्जाई गई सरकारी जमीन को सुरक्षित कर लिया था। सोमवार और मंगलवार को जेसीबी से सीसी वर्क तोड़ा जा चुका है।

दै. भास्कर 21/10/21

शहरों की तर्ज पर गांवों में भी होगा स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण 2021

जिला पंचायत सभाकक्ष में अधिकारियों को सर्वेक्षण तैयारी को लेकर निर्देश जारी

रतलाम। शहरों की तर्ज पर अब जिले के ग्रामीण क्षेत्र का स्वच्छता सर्वेक्षण किया जाएगा। गांव के लोक स्वच्छता को लेकर कितने जागरुक हुए हैं और दैनिक जीवन में उन्होंने साफ-सफाई को कितना अपनाया है, इसे चेक करने के लिए

▸ केन्द्रीय दल जिले के 25 गांवों में भ्रमण कर चेक करेगा

केन्द्रीय दल द्वारा जिले के 25 गांवों में भ्रमण किया जाएगा।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर बुधवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जमुना भिड़े द्वारा अधिकारियों को सर्वेक्षण की तैयारी के सम्बन्ध में निर्देश दिए गए। बैठक में डीपीओ महिला एवं बाल विकास विभाग रजनीश सिन्हा, उपसंचालक कृषि विजय चौरसिया, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा राजेश धनोतिया, कार्यपालन यंत्री पीएचई प्रदीप गोगादे, जिला परियोजना समन्वयक, डीपीएम एनआरएलएम, सीईओ जनपद पंचायत, सहायक यंत्री जनपद पंचायत, ब्लाक समन्वयक, एसबीएम जनपद पंचायत उपस्थित थे।

विभाग प्रमुखों को दिए निर्देश

श्रीमती जमुना भिड़े द्वारा ग्रामों में स्वच्छता को लेकर किए जाने वाले कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। इस सम्बन्ध में ग्रामों में सार्वजनिक स्थानों पर एकत्रित घरों की जगह नाडेप बनाने हेतु उपसंचालक कृषि को

निर्देशित किया गया। सभी स्कूलों, छात्रों में स्वच्छता को लेकर जागरुकता एवं व्यवहार परिवर्तन, ग्रामीण क्षेत्र के शाला एवं शाला परिसरों की नियमित साफ-सफाई हेतु जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई के सम्बन्ध में महिलाओं को जागरुक करने हेतु जिला प्रबंधक महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जिला परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम को निर्देशित किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित हैण्डपम्प से निकलने वाले पानी का उचित निपटान साकपिट इत्यादि में किए जाने हेतु कार्यपालन यंत्री लो.स्वा.यां. विभाग को निर्देशित किया गया।

रैंकिंग के मुख्यतः 3 प्रोटोकाल

श्रीमती भिड़े ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग मुख्यतः 3 प्रोटोकाल के तहत की जाएगी जिसमें नगारिक प्रतिक्रिया के 350 अंक, प्रत्यक्ष अवलोकन के 300 अंक एवं सेवा स्थल की प्रगति के 350 अंक होंगे। इस प्रकार स्वच्छता सर्वेक्षण कुल 1000 नम्बर का होगा जिसमें राज्यों एवं जिलों की रैंकिंग की जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण स्वच्छता का सर्वेक्षण राष्ट्रीय स्तर पर सभी जिलों में पारदर्शिता के साथ कराया जाएगा। केन्द्रीय दल द्वारा 25 अक्टूबर से 20 दिसम्बर के मध्य सभी जिलों का भ्रमण किया जाएगा। भ्रमण के दौरान दल द्वारा चयनित ग्राम के सार्वजनिक स्थान जैसे हाट बाजार, धार्मिक स्थल पर जाकर स्वच्छता की स्थिति का आंकलन किया जाएगा। साथ ही रेण्डम स्तर पर चयनित 10 घरों के रहवासियों से स्वच्छता के आयामों पर प्रतिक्रिया दर्ज करेगा। सर्वेक्षण दल ग्राम के स्कूल, आंगनवाड़ी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इत्यादि पर भी भ्रमण कर स्वच्छता की स्थिति की जानकारी दर्ज करेगा। ग्राम के सरपंच, सचिव, शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आदि से भी सर्वेक्षण के सम्बन्ध में साक्षात्कार किया जाएगा।

नवभारत 21/10/21

शीघ्र मिलेगी गड्ढों से मुक्ति

रतलाम। बारिश, सीवरेज आदि से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के कारण नागरिकों को आवागमन में हो रही परेशानियों से जल्द ही मुक्ति मिलेगी। नगर निगम ने शहर की 40 सड़कों के पेंचवर्क का कार्य प्रारंभ किया हैं। नगर निगम के अनुसार निगम स्वामित्व की 40 सड़कों के पेंचवर्क का कार्य प्रारंभ किया गया जिसकी शुरूआत दो बत्ती क्षेत्र से की गई। निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि नगर के नागरिकों सड़क के गड्ढो तथा धूल-मिट्टी से निजात दिलाये जाने हेतु नगर निगम द्वारा शहर में निगम स्वामित्व की 40 सड़कों के पेंचवर्क का कार्य 85 लाख की लागत से प्रारंभ कर दिया गया है। दीपावली पर्व के मद्देनजर सड़कों के पेंचवर्क का कार्य तेजी से किया जा रहा है। दो बत्ती क्षेत्र में पेंचवर्क कार्य प्रारंभ होने के दौरान कार्यपालन यंत्री मोहम्मद हनीफ शेख, प्रभारी सहायक यंत्री एम.के. जैन, उपयंत्री बृजेष कुशवाह तथा क्षेत्रिय दुकानदार उपस्थित थे।

भास्कर २१/१०/२१

शीघ्र मिलेगी सड़क के गड्ढों से मुक्ति

दो बत्ती क्षेत्र में पैचवर्क कार्य का शुभारंभ करते हुए कार्यपालन यंत्री मोहम्मद हनीफ शेख। ●नईदुनिया

रतलाम। बारिश, सीवरेज आदि से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के कारण नागरिकों को आवागमन में हो रही परेशानियों मुक्ति दिलाने के लिए विधायक चेतन्य काश्यप व कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा निगम स्वामित्व की 40 सड़कों के पैचवर्क का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसकी शुरुआत दो बत्ती क्षेत्र से की गई।

निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि नागरिकों को सड़क के गड्ढों तथा धूल-मिट्टी से निजात दिलाने हेतु नगर निगम द्वारा शहर में निगम स्वामित्व की 40 सड़कों के पैचवर्क का कार्य 85 लाख की लागत से प्रारंभ कर दिया गया है। दीपावली पर्व के मद्देनजर सड़कों के पैचवर्क का कार्य तेजी से किया जा रहा है। दो बत्ती क्षेत्र में पैचवर्क कार्य प्रारंभ होने के दौरान कार्यपालन यंत्री मोहम्मद हनीफ शेख, प्रभारी सहायक यंत्री एमके जैन, उपयंत्री बृजेश कुशवाह आदि उपस्थित रहे।

नईदुनिया २१/१०/२१

एक माह पहले एक दिन में हुई 6 इंच से अधिक बारिश दे गई थी लोगों को जख्म

एक दिन में छह इंच बारिश 43 लाख बहा ले गई

फॉलोअप

पत्रिका
प्रकाशित खबर।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

किसी के मकान ढह गए तो किसी के घर में पानी भरने से खाने पीने का सामान और बिस्तर खराब हो गए थे

रतलाम. शहर में एक माह पहले हुई भारी बारिश से मची तबाही के जख्म लोगों के अब भी हरे हैं। एक ही दिन में कुछ घंटों में हुई जोरदार बारिश ने शहर सहित अंचल में जमकर तबाही मचाई थी। बारिश के थमने के बाद हर तरफ से लोगों के द्वारा मदद की गुहार लगाई जाने लगी। बारिश से हुए नुकसान का पता लगाने के लिए प्रशासन की टीम जब सड़कों पर उतरी तो मंजर काफी भयानक नजर आया और जो लोग इससे प्रभावित हुए उनकी संख्या भी उम्मीद से काफी अधिक निकली है।

फाइल फोटो

रतलाम शहर सहित रतलाम ग्रामीण में प्रशासन की टीम जब सर्वे के लिए मैदान में उतरी तो शुरुआती दौर में नुकसानी का आंकड़ा गिनती का निकला था लेकिन जब प्रशासन की टीम भी अलग-अलग क्षेत्रों से सूचना आने पर पहुंची तो हकीकत काफी भयानक नजर आने लगी। इसके बाद यह सर्वे लगातार चलता रहा और अब जाकर लगभग पूरा हुआ है, जिसमें 1074 परिवारों के यहां बारिश से नुकसानी का खुलासा हुआ है, जिसके ऐवज में प्रशासन के द्वारा 43 लाख 7400 रुपए मुआवजा भी वितरीत किया जा चुका है। मुआवजा रतलाम शहर के साथ ही रतलाम ग्रामीण विकासखंड के 61 गांवों के लोगों को वितरीत किया गया है।

अन्य विकासखंडों का भी जुटा रहे डाटा

कलेक्टर द्वारा रतलाम शहर और ग्रामीण अंचल के साथ ही अन्य विकासखंडों में भी बारिश से हुए नुकसान का सर्वे कराया था, जिसके चलते प्रशासन की टीमों द्वारा लगातार गांवों में पहुंचकर सर्वे कार्य किया गया है। अब जो लोग मुआवजे की प्रक्रिया से छूट गए हैं, उन सभी लोगों को भी प्रशासन द्वारा जल्द ही मुआवजे वितरण की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। मुआवजे की राशि को लेकर कुछ लोगों में नाराजगी तो है लेकिन इसके समय पर मिलने से कई परिवारों के जख्मों पर इसका मलहम भी लगा है।

19 सितंबर को हुई थी तबाही

मानसून के दौरान 19 सितंबर को रतलाम शहर सहित ग्रामीण अंचल में बारिश हुई थी। सुबह से दोपहर तक चंद घंटों के दौरान ही साढे छह इंच बारिश दर्ज की गई थी। इस दौरान शहर में करीब चार से पांच मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए थे। साथ ही ग्रामीण अंचल में भी कुछ कच्चे मकान धराशाही हो गए थे। इसके अतिरिक्त अधिकांश घरों में दो से तीन फीट तक पानी पहुंचने घर में रखा सामान भीगकर खराब हो गया था।

इनका कहना

43 लाख से अधिक का मुआवजा बांटा गया

रतलाम शहर के साथ रतलाम ग्रामीण के 61 गांवों में 1074 घरों में नुकसानी की बात सामने आई है, जिसके ऐवज में 43 लाख 7400 रुपए का मुआवजा वितरीत किया गया है। शुरुआती दौर में संख्या कम थी लेकिन सर्वे कार्य निरंतर होने पर पीड़ित परिवारों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ, जिन लोगों के यहां नुकसानी पाई गई है, उन्ही लोगों को मुआवजा वितरीत किया गया है। - **गोपाल सोनी,** तहसीलदार रतलाम

पत्रिका 21/10/21

शहरों की तर्ज पर गांवों में भी होगा स्वच्छता सर्वेक्षण

जिले के 25 गांवों में सफाई का स्तर परखेगा केंद्रीय दल

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहरों की तर्ज पर अब जिले के ग्रामीण क्षेत्र का स्वच्छता सर्वेक्षण किया जाएगा। गांव में सफाई के स्तर व ग्रामीणों के दैनिक जीवन में साफ-सफाई को अपनाने की स्थिति जांचने केंद्रीय दल द्वारा जिले के 25 गांवों में दौरा किया जाएगा।

बुधवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में सीईओ जिला पंचायत जमुना भिड़े द्वारा अधिकारियों की बैठक लेकर गांवों में सार्वजनिक स्थानों पर एकत्रित घरों की जगह नाड़ेप बनाने के लिए उपसंचालक कृषि, सभी स्कूलों, छात्रों में स्वच्छता को लेकर जागरूकता, व्यवहार परिवर्तन, शाला परिसरों की नियमित साफ-सफाई के लिए जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई के संबंध में महिलाओं को जागरूक करने के लिए जिला प्रबंधक महिला व बाल विकास विभाग, जिला परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम को निर्देशित किया।

तीन स्तर पर होगी रैंकिंग : भिड़े ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग मुख्यत: तीन प्रोटोकाल के तहत की जाएगी। इसमें नगारिक प्रतिक्रिया के 350 अंक, प्रत्यक्ष अवलोकन के 300 सेवा स्थल की प्रगति के 350 अंक होंगे। इस प्रकार स्वच्छता सर्वेक्षण कुल 1000 नंबर का होगा। इसमें राज्यों व जिलों की रैंकिंग की जाएगी। केंद्रीय दल द्वारा 25 अक्टूबर से 20 दिसंबर के मध्य सभी जिलों का भ्रमण किया जाएगा। भ्रमण के दौरान दल द्वारा चयनित ग्राम के सार्वजनिक स्थान जैसे हाट बाजार, धार्मिक स्थल पर जाकर स्वच्छता की स्थिति का आकलन किया जाएगा। साथ ही रैंडम स्तर पर चयनित 10 घरों के रहवासियों से स्वच्छता के आयामों पर प्रतिक्रिया भी ली जाएगी। स्कूल, आंगनबाड़ी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भी स्वच्छता की स्थिति की जानकारी दर्ज कर ग्राम के सरपंच, सचिव, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आदि से भी सर्वेक्षण के संबंध में साक्षात्कार किया जाएगा।

अईदुनिया 21/10/21

अवैध अनुमति का मामला, बंजली व सालाखेड़ी में तोड़ेंगे चार भवन

एक होटल, काम्प्लेक्स व दो मकानों का निर्माण अवैध अनुमति लेकर किया

रतलाम(नईदुनिया प्रतिनिधि)। अवैध निर्माण व अवैध कालोनियों को लेकर तीव्र गति से कार्रवाई जारी है। इस तारतम्य में नगर निगम द्वारा सालाखेड़ी तथा बंजली क्षेत्र में अवैध अनुमति से बनाए गए 4 भवनों को तोड़ने के लिए नोटिस जारी किया गया है। उक्त क्षेत्र नगर निगम सीमा क्षेत्र में आने से निर्माण नगर निगम की अनुमति से किया जाना था, लेकिन ग्राम पंचायत से अवैध अनुमति ली गई।

उल्लेखनीय है कि बरबड़ क्षेत्र में दो आवासीय भवन तथा एक कमर्शियल काम्प्लेक्स का निर्माण बंजली ग्राम पंचायत से तथा मधु नीमच रोड पर एक होटल निर्माण सालाखेड़ी ग्राम पंचायत से अवैध अनुमति लेकर किया गया। दरअसल सालाखेड़ी व बंजली ग्राम हाइवे पर स्थित होने से यहां कई होटल, मैरिज गार्डन, व्यावसायिक काम्प्लेक्स का निर्माण किया गया है। नगर निगम व ग्राम पंचायत सीमा को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं किए जाने से अवैध निर्माण को भी बढ़ावा मिल रहा है।

शासकीय अमले की मिलीभगत सब पर भारी

द्वारका रेसीडेंसी का मामला हो या सालाखेड़ी, बंजली का। सभी में निचले स्तर से प्रक्रिया शुरू करने के बाद वरिष्ठ स्तर पर अनुमति जारी की गई। निर्माण के बाद ग्राम पंचायत, नगर निगम, टीएनसीपी से जारी अनुमतियं के अवैध पाए जाने पर सबसे ज्यादा नुकसान निवेशकों का हो रहा है, जबकि अवैध अनुमति जारी करने वाले शासकीय अमले पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है। द्वारका रेसीडेंसी की तरह ही बंजली व सालाखेड़ी के मामले में भी संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंचों तथा सचिवों की भी जांच कर दोषी पाए जाने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

देहरादून, अवध एक्सप्रेस का स्टापेज गरोठ में कराएं

गरोठ। ग्राम बोलिया में बुधवार को सांसद सुधीर गुप्ता को बोलिया गरोठ रेल समिति द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें मांग की गई कि गरोठ रेलवे स्टेशन पर देहरादून एक्सप्रेस, कोटा-नागदा पैसेंजर, अवध एक्सप्रेस का स्टापेज किया जाए। इस दौरान रेल समिति सदस्य श्यामसुंदर माहेश्वरी, डा. पवन यति ने सांसद को गरोठ-बोलिया सड़क का नवीनीकरण करने की भी मांग की गई।

नईदुनिया 21/10/11

जर्जर सड़कों की मरम्मत से शहरवासियों को मिलेगी आंशिक राहत

रतलाम। शहर में नगर निगम ने किरकिरी कराने के बाद आखिरकार जर्जर सड़कों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। इससे आम लोगों को आंशिक राहत ही मिलेगी, क्योंकि सड़कों की कोई ग्यारंटी नहीं है। नगर निगम ही कभी भी इनकी फिर से खुदाई करवा सकता है और बारिश आने पर ये फिर जर्जर हो सकती हैं। नगर निगम द्वारा जर्जर सड़कों का पेचवर्क शुरू कराया गया है। इसमें मुख्य सड़कों के पेचवर्क के साथ-साथ कॉलोनियों में सड़कों की मरम्मत की जाएगी। इसके लिए सूची बनी है, जिसके अनुसार बारी-बारी से कार्य होगा। इससे गड्ढे, धूल आदि से राहत मिलेगी।

शहर की सड़कें पिछले साल में पानी की पाइप लाइन, सीवरेज और बारिश से बुरी तरह छलनी हो गई हैं। हाल ही में सीमेंट कांक्रीट से बनी नई नवेली चार-पांच सड़कों को छोड़कर शेष सभी सड़कें पूरी तरह से खराब हो गई हैं। इन खराब सड़कों के लिए विधायक चेतन्य काश्यप द्वारा नगर निगम से 20 करोड़ रुपए की कार्य योजना बनवाई गई है। सड़कों का सर्वेक्षण भी खुद विधायक ने किया है और प्राथमिकताएं तय कर निगम को निर्देश दिए हैं। निगम द्वारा सड़कों के लिए अब तक 13 करोड़ रुपए की निविदाएं जारी की जा चुकी हैं, जबकि 7 करोड़ रुपए की निविदाएं जारी करने का कार्य चल रहा है। विधायक श्री काश्यप ने हाल ही में कलेक्टर एवं प्रशासक कुमार पुरुषोत्तम से मिलकर इन बची निविदाओं को भी जारी करने एवं पूरे शहर की चिन्हित सड़कों का रखरखाव पूरा करने को कहा है।

बताया जाता है कि नगर निगम द्वारा जिन सड़कों का निर्माण होना है। उनमें त्रिपोलिया गेट से चांदनी चौक तक, चांदनीचौक से लकड़पीठा रोड, चांदनी चौक से आबकारी चौराहा, तोपखाना से गौशाला रोड बगीचे तक, ईदगाह रोड से खान बावड़ी तक, कसारा बाजार से त्रिपोलिया गेट, भरावा कुई से हाथी वाला मंदिर, चिंताहरण गणेश मंदिर से थावरिया बाजार पानी की टंकी, थावरिया बाजार से महलवाड़ा, मोचीपुरा से सूरजपौर, दो बत्ती ज्योति होटल से कॉलेज के सामने तिराहे तक, शनि देव मंदिर से कालिकामाता मंदिर, गुलाब चक्कर से आरडीए कार्यालय आदि तक की सड़कें शामिल हैं।

इसी प्रकार जैन कॉलोनी, टीआईटी रोड, महावीर नगर, लोटस सिटी, स्टेशन रोड, फ्रीगंज, शास्त्री नगर कॉलोनी के अंदर की रोड, साईं बाबा मंदिर के पास की रोड, तेलियों की सड़क, अर्जुन नगर मेन रोड, अमृत सागर उद्यान से दीनदयाल नगर मेन रोड तक, भगतपुरी, गौशाला रोड जैन स्कूल के पीछे, गोपाल गौशाला कॉलोनी तक, डोंगरे नगर मेन रोड, मोहन नगर मेन रोड, कस्तूरबा नगर मेन रोड एवं अलकापुरी मेन रोड की मरम्मत की जाएगी।

उपग्रह

उपग्रह 21/10/21

प्लेटलेट्स लेने वालों की संख्या 120 पहुंची, डेंगू का एक केस

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में डेंगू के नए मामले लगातार मिल रहे हैं। पिछले तीन दिन से मानव सेवा समिति ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स की मांग बढ़ने लगी है। मंदसौर से भी डेंगू मरीजों के लिए लोग प्लेटलेट्स लेने आ रहे हैं। बुधवार को 120 लोगों ने प्लेटलेट्स लिए। इसमें बीस लोग मंदसौर जिले से हैं।

मानव सेवा समिति के मोहन पाटीदार मुरलीवाला ने बताया कि बीच में थोड़ी राहत मिली थी, लेकिन तीन से फिर प्लेटलेट्स की मांग बढ़ने लगी है। मंदसौर की मशीन खराब होने के कारण वहां से भी लोग यहां आने लगे हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 13 एलाइजा जांच रिपोर्ट में बुधवार को डेंगू का एक नया मरीज मिला। इस तरह अब जिले में डेंगू के मामलों की संख्या 432 पहुंच गई है। मेडिकल कालेज में किट के अभाव में चार दिन एलाइजा जांच बंद है। अब सिर्फ जिला अस्पताल लैब में ही जांच हो रही है।

बुधवार को भी जिला अस्पताल, मेडिकल कालेज, बाल चिकित्सालय और मेडिकल कालेज में एंटीजन किट में डेंगू के नए मरीज मिले, जिनका उपचार

बीमारी

- मंदसौर में मशीन खराब, रतलाम आ रहे मरीज के स्वजन
- शहर में हुआ सर्वे, 53 घरों में डेंगू का लार्वा मिला

शुरू कर दिया गया है। निजी अस्पतालों में भी मरीज कम नहीं हो रहे हैं। मेडिकल कालेज में जितने मरीज डिस्चार्ज हुए, उतने भर्ती भी हो गए। यहां सभी ऐसे मरीज हैं, जिनकी एंटीजन किट जांच में डेंगू निकला है।

53 घरों में डेंगू का लार्वा मिला

शहर के 476 घरों में एडिज लार्वा सर्वे के दौरान 53 में लार्वा मिला है, जिसे नष्ट कराया गया। 22 पानी की टंकी, 44 कंटेनर, नौ बेकार टायर और तीन कूलरों में भी लार्वा मिला। लगातार लार्वा मिल रहा है। वहीं 400 मिलीग्राम टेमोफास दवाई का छिड़काव के साथ फागिंग कराई गई है। लगातार सर्वे और बचाव के उपाय चल रहे हैं, लेकिन नए मामले लगातार मिल रहे हैं, जबकि एलाइजा जांच में सैंपल भी कम ही लग रहे हैं।

नईदुनिया २१/१०/२१

रतलाम में 20 दिन बाद मिला कोरोना पॉजिटिव, मुंबई से लौटा है युवक

युवक गंभीर नहीं, मेडिकल कॉलेज शिफ्ट करने की तैयारी

भास्कर संवाददाता | रतलाम

रतलाम में 20 दिन बाद एक कोरोना पॉजिटिव सामने आया है। मुंबई से लौटे युवक को संक्रमण ने चपेट में लिया है। हालांकि, पूछताछ में सामने आया कि युवक एक अन्य संक्रमित के संपर्क में भी आया था। शहर में पिछला पॉजिटिव 30 सितंबर को मिला था, इसके बाद से अक्टूबर का महीना राहतभरा था, लेकिन, बुधवार को त्रिमूर्ति नगर में रहने वाले 27 साल के युवक की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली। युवक 8-लेन के प्रोजेक्ट में प्रोजेक्ट इंजीनियर है। वे ट्रेनिंग के लिए मुंबई गए थे। युवक ने मंगलवार को सैंपल दिया था। रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्वास्थ्य विभाग का अमला अलर्ट मोड पर आ गया। युवक से पूछताछ भी की गई है। अब मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया जाएगा।

शहर में अभी कोरोना से राहत- शहर में भले ही एक संक्रमित मिला है, लेकिन कोरोना के मामले में अभी राहत है। 1 सितंबर से अब तक सिर्फ 3 लोगों की रिपोर्ट ही पॉजिटिव मिली है। अब तक कुल 17507 संक्रमित सामने आ चुके हैं। अप्रैल, मई, जून, जुलाई में सर्वाधिक संक्रमित मिले थे। एक्टिव केस का आंकड़ा भी 5 हजार पर पहुंच गया था।

कांटेक्ट ट्रेसिंग की जाएगी

युवक खुद जांच करवाने आए, जिसमें पॉजिटिव निकले। कांटेक्ट ट्रेसिंग की जाएगी। उन्हें मेडिकल कॉलेज शिफ्ट किया जा रहा है। -डॉ. गौरव बोरीयाल, एपेडेमियोलॉजिस्ट, रतलाम

भास्कर २१/१०/२१

20 दिन बाद कोरोना का एक और नया पाजिटिव केस

रतलाम। डेंगू के कहर के बीच करीब 30 दिन बाद बुधवार को कोरोना का एक नया पाजिटिव केस सामने आया। अब एक्टिव मरीजों की संख्या केवल एक है। जिले में अब तक 17507 पाजिटिव केस सामने आ चुके है, वहीं 17195 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया जा चुका है। मौत का कुल आंकड़ा 311 है। बुधवार को शहर के त्रिमूर्तिनगर निवासी 27 वर्षीय युवक की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आई। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले 30 सितंबर को एक पाजिटिव केस सामने आया था।

नईदुनिया २१/१०/२१

शहर में आज 16 जगह लगेगी वैक्सीन

रतलाम | वैक्सीनेशन जारी है। बुधवार को 16 स्थानों पर वैक्सीन लगाई जाएगी। गांधीनगर स्थित कम्यूनिटी हॉल, अलकापुरी स्थित कम्युनिटी हॉल, विरियाखेड़ी स्थित रेडक्रॉस भवन, जवाहर नगर स्थित कम्यूनिटी हॉल, सुभाष नगर मांगलिक भवन, सागोद रोड स्थित काश्यप सभागृह, दीनदयाल नगर स्थित राधाकृष्ण स्कूल, कालिका माता मंदिर धर्मशाला, डीआरएम ऑफिस दो बत्ती, जिला अस्पताल, कसारा बाजार स्थित माहेश्वरी धर्मशाला, कुरैशी मंडी मदरसा, अशोक नगर मदरसा, रामेश्वर मंदिर जावरा रोड में कोविशील्ड का पहला और दूसरा टीका लगेगा। राजेंद्र नगर स्थित आईएमए हॉल और एमसीएच में को वैक्सीन के टीके लगेंगे।

शहर में 49 हैण्ड स्प्रे मशीन से एक साथ वार्डों में हो रहा छिड़काव

डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव की कवायद

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क

नगर के नागरिकों को मच्छर जनित डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव हेतु कलेक्टर एवं निगम प्रशासक कुमार पुरूषोत्तम के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा सोमवार से नवीन कार्यव्यवस्था के तहत प्रतिदिन प्रत्येक वार्ड में एक ही समय में 49 कर्मचारियों द्वारा हैण्ड स्प्रे मशीन से कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

निगम आयुक्त ने बताया कि कलेक्टर एवं निगम प्रशासक पुरूषोत्तम के निर्देशानुसार 1 वार्ड में एक ही समय में एक साथ 49 कर्मचारियों द्वारा हैण्ड स्प्रे मशीन से कीटनाशक दवा का छिड़काव प्रारंभ किया गया है ताकि नागरिकों को म%छर जनित डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाया जा सके। नवीन कार्य व्यवस्था के तहत 20 अक्टूबर बुधवार को वार्ड क्रमांक 21 से 25 तक प्रातः 6 से 10 व वार्ड क्रमांक 26 से 30 तक सांय 6 से रात्री 10 बजे तक, 21 अक्टूबर गुरूवार को वार्ड क्रमांक 31 से 35 तक प्रातः 6 से 10 व वार्ड क्रमांक 36 से 40 तक सांय 6 से रात्री 10 बजे तक, 22 अक्टूबर शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 41 से 45 तक प्रातः 6 से 10 व वार्ड क्रमांक 46 से 49 तक सांय 6 से रात्री 10 बजे तक प्रतिदिन कुल 10 वार्ड में एक ही समय में एक साथ 1-1 वार्ड में 49 कर्मचारियों द्वारा हैण्ड स्प्रे मशीन से कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जायेगा तथा पांच दिन पश्चात इसी क्रम को पुनः दोहराया जायेगा।

राज एक्सप्रेस 21/10/21

सामाजिक पेंशन सर्वे में 22 को आएगी पेंशन

बस आज का दिन - सर्वे अब भी शेष, कैसे मनेगी इनकी दीपावली

पत्रिका इंडेप्थ स्टोरी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. शहर में नगर निगम ने सामाजिक पेंशन योजना के लिए किए सर्वे में अब तक मात्र 1971 लोगों का सर्वे किया है, जबकि 11 हजार हितग्राही ऐसे हैं जिनका सर्वे होना है। ऐसे में सर्वे के लिए गुरुवार का दिन अंतिम है। अगर गुरुवार को पूरा सर्वे नहीं हुआ व पोर्टल में नाम नहीं जुड़ा तो बचे हुए हितग्राहियों के खाते में पेंशन नहीं आएगी। ऐसे में इस वर्ग की दीपावली कैसे मनेगी, इसका जवाब किसी जवाबदार के पास नहीं है।

शहर के सामाजिक सुरक्षा, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन, राष्ट्रीय विधवा पेंशन, राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन, सामाजिक सुरक्षा वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, निःशक्त पेंशन, मानसिक बहुविकलांग पेंशन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों का शासन के निर्देशों के बाद भौतिक सत्यापन वार्ड दरोगा व नियुक्त कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर व वार्डवार बनाये गये केन्द्रों पर किया जा रहा है। बुधवार तक 1971 मात्र पेंशन हितग्राहियों का भौतिक सत्यापन पूरा हुआ है। जबकि इस प्रकार के 11 हजार हितग्राही शहर में हैं जिनका भौतिक सत्यापन होना है।

इनकी दीपावली कौन मनाएगा

शहर के बजरंग नगर, अर्जुन नगर, लक्ष्मणपुरा, मोतीनगर, गांधीनगर क्षेत्र में रहने वाले हितग्राही सहित शहर के आर्थिक रुप से कमजोर परिवार जो इन पेंशन की श्रेणी में आते हैं उनके सामने अब पेंशन के अभाव में दीपावली मनाने की समस्या सामने आ खड़ी होगी।

इसलिए गति है कमजोर

कुछ दिन पूर्व इस मामले में शहर विधायक चेतन्य काश्यप व कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने भी नगर निगम को इस सेर्वे कार्य में तेजी लाने को कहा था। तब से अब तक रस्मअदागयी ही चलती रही। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि कर्मचारियों को एक से अधिक कार्य दिए गए है। जिन कर्मचारियों को भौतिक सत्यापन करना है उनको ही आठ वार्ड में जाकर ज्वलनशील प्रदार्थ के मामले में भी जांच करना है। इसके अलावा इनको वार्डो में स्वच्छता को भी देखना है। ऐसे में एक कर्मचारी पर काम का अतिरिक्त बोझ ही सर्वे की कमी का कारण बना हुआ है।

पूरा करेंगे सर्वे

शहर में विभिन्न प्रकार की पेंशन के सर्वे कार्य को हर हाल में पूरा किया जाएगा। किसी भी परिवार में पेंशन को नहीं रुकने दिया जाएगा।

- सोमनाथ झारिया, आयुक्त नगर निगम

पत्रिका 21/10/21

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में राज्य स्तर पर जिला द्वितीय स्थान पर

रतलाम। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशन में रतलाम जिले में शासकीय विभागों द्वारा शिकायतों के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य किया जाने लगा है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 के तहत 20 अक्टूबर को जारी की गई राज्य स्तरीय रैंकिंग में रतलाम जिले द्वारा अपने ग्रुप में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया है। साथ ही राज्य स्तर पर जिला द्वितीय स्थान पर है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के तहत प्रदेश के 52 जिलों को 26 एवं 26 की संख्या में दो ग्रुपों में बांटा गया है। रतलाम जिला ग्रुप बी में है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में रतलाम जिले की उच्चतम स्थिति पर कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम द्वारा शासकीय कार्यालय प्रमुखों को बधाई देते हुए आगे भी निरंतरता बनाए रखने के लिए निर्देशित किया है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त पंचायत आम चुनाव की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर्स से करेंगे चर्चा

रतलाम। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रतापसिंह त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन-2021 की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर्स एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ 21 अक्टूबर को प्रात: 10 बजे से 11 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा करेंगे।

नवभारत 21/10/21

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन रतलाम जिला शिकायतों के निराकरण में अपने ग्रुप में प्रथम स्थान पर

रतलाम। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशन में रतलाम जिले में शासकीय विभागों द्वारा शिकायतों के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य किया जाने लगा है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 के तहत 20 अक्टूबर को जारी की गई राज्य स्तरीय रैंकिंग में रतलाम जिले द्वारा अपने ग्रुप में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया है। साथ ही राज्य स्तर पर जिला द्वितीय स्थान पर है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के तहत प्रदेश के 52 जिलों को 26 एवं 26 की संख्या में दो ग्रुपों में बांटा गया है। रतलाम जिला ग्रुप बी में है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में रतलाम जिले की उच्चतम स्थिति पर कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम द्वारा शासकीय कार्यालय प्रमुखों को बधाई देते हुए आगे भी निरंतरता बनाए रखने के लिए निर्देशित किया है।

प्रसारण 21/10/21

राज्य निर्वाचन आयुक्त पंचायत आम चुनाव की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर्स से करेंगे चर्चा

रतलाम। राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रतापसिंह त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन-2021 की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर्स एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ 21 अक्टूबर को प्रात: 10 बजे से 11 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा करेंगे। कलेक्टर देवास, खंडवा, बुरहानपुर, खरगौन, निवाड़ी, टीकमगढ़, सतना और अलीराजपुर वी.सी. में शामिल नहीं लेंगे। प्रसारण

प्रसारण 21/10/21

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में रतलाम को नंबर वन बनाना है : सेठिया

रतलाम. आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत रतलाम को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन में नंबर वन बनाना है। इसके लिए डिट आउटरीच कैंपेन (ग्राहक जनसंपर्क अभियान) शुरू किया गया है। यह जिले के प्रत्येक ब्लॉक व शाखा स्तर तक 15 नवंबर तक चलेगा। शासन की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं जैसे पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई एवं ए पी वाई में अधिक से अधिक नामांकन करना, पीएमजेडीवाई में खाता खोलना एवं ओवरड्राफ्ट प्रदान करना, मुद्रा ऋण, कृषि ऋण, एसएमई ऋण, पीएमईजीपी, एसएचजी क्रेडिट लिंकेज, पीएम स्वनिधि, सीएम स्ट्रीट वेंडर, केसीसी डेयरी, मत्स्य, उद्यानिकी एवं अन्य ऋण योजनाओं के तहत ऋण स्वीकृत एवं वितरित किए जाएंगे। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक दिलीप सेठिया ने बताया शनिवार से प्रारंभ क्रेडिट आउटरीच कैंपेन (ग्राहक जनसंपर्क अभियान) 15 नवंबर तक चलेगा। बैंक/ शाखा की प्रतिदिन की प्रगति शाम 5 बजे तक आवश्यक रूप से प्रेषित करें ताकि जिले की प्रगति एसएलबीसी भोपाल एवं भारत सरकार को निर्धारित समय पर प्रेषित की जा सके।

पत्रिका 21/10/21

49 हैण्ड स्प्रै मशीन से एक साथ हो रहा है प्रतिदिन कीटनाशक दवा का छिड़काव

रतलाम ● स्वदेश समाचार

नगर के नागरिकों को मच्छर जनित डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव हेतु कलेक्टर एवं निगम प्रशासक कुमार पुरुषोतम के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा नवीन कार्यव्यवस्था के तहत प्रतिदिन प्रत्येक वार्ड में एक ही समय में 49 कर्मचारियों द्वारा हैण्ड स्प्रै मशीन से कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि 1 वार्ड में एक ही समय में एक साथ 49 कर्मचारियों द्वारा हैण्ड स्प्रै मशीन से कीटनाशक दवा का छिड़काव प्रारंभ किया गया है ताकि नागरिकों को मच्छर जनित डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाया जा सके। नवीन कार्य व्यवस्था के तहत 21 अक्टूबर गुरुवार को वार्ड क्रमांक 31 से 35 तक प्रात: 6 से 10 व वार्ड क्रमांक 36 से 40 तक सायं 6 से रात्रि 10 बजे तक, 22 अक्टूबर शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 41 से 45 तक प्रात: 6 से 10 व वार्ड क्रमांक 46 से 49 तक सायं 6 से रात्रि 10 बजे तक प्रतिदिन कुल 10 वार्ड में एक ही समय में एक साथ 1-1 वार्ड में 49 कर्मचारियों द्वारा हैण्ड स्प्रै मशीन से कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जाएगा। पांच दिन पश्चात् इसी क्रम को पुन: दोहराया जाएगा।

स्वदेश 21/10/21

दीपावली पर्व पर आतिशबाजी व्यवसाय करने वाले अस्थाई फटाका लाइसेंस हेतु आवेदन करें

रतलाम। इस वर्ष दीपावली पर्व पर आतिशबाजी विक्रय व्यवसाय करने के लिए इच्छुक व्यक्ति अस्थाई फटाका लाइसेंस हेतु निर्धारित प्रारूप ड्ड्5 में आवेदन करें। इसके लिए अंतिम तिथि 20 अक्टूबर नियत की गई है। आवेदन के साथ लाइसेंस फीस 500 रुपए निर्धारित मद में चालान से जमा करवाकर चालान की असल प्रति तथा दो पासपोर्ट साइज के फोटो आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें जिसमें दिनांक तथा हस्ताक्षर हो। निर्धारित मद 0070 अन्य प्रशासकीय सेवाएं, 103 अन्य सेवाएं विस्फोटक अधिनियम के अंतर्गत प्राप्तियां जिला प्रशासन से प्राप्तियां अन्य प्राप्तियां में लाइसेंस फीस जमा करानी होगी। आवेदन पत्र पर 10 रुपए का कोर्ट फीस स्टाम्प भी चस्पा किया जाना होगा। निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र रतलाम शहर तथा ग्रामीण तहसील स्तर पर अपने-अपने क्षेत्र के अनुविभागीय दंडाधिकारी कार्यालय में जमा किया जा सकता है।

आवेदकों को अपने-अपने आवेदन पत्र स्वीकृति के लिए रतलाम शहर हेतु अनुविभागीय दंडाधिकारी रतलाम शहर तथा रतलाम ग्रामीण के लिए अनुविभागीय दंडाधिकारी रतलाम ग्रामीण, तहसील जावरा तथा पिपलोदा के लिए अनुविभागीय दंडाधिकारी जावरा, तहसील आलोट एवं ताल क्षेत्र के लिए अनुविभागीय दंडाधिकारी आलोट, तहसील सैलाना, रावटी एवं बाजना क्षेत्र के लिए अनुविभागीय दंडाधिकारी सैलाना को मय पूर्व स्वीकृत अनुज्ञप्ति सहित प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। लाइसेंसधारी को केवल उसी स्थान पर आतिशबाजी का व्यवसाय करने की अनुमति होगी जो स्थान संबंधित एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं कार्यपालक दंडाधिकारी द्वारा नगर पालिका निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, ग्राम पंचायत के परामर्श उपरांत सुरक्षात्मक दृष्टि से नियत किया जाएगा। नियत स्थान के अलावा अपनी स्वेच्छा से नगर के भीड़ वाले बाजार क्षेत्र में पटाखों का उपयोग एवं विक्रय नहीं हो और हाथ ठेलो पर दुकानें लगाने की दशा में लाइसेंस निरस्त किया जा सकेगा। लाइसेंसधारी को आग से सुरक्षा के लिए रेत, पानी तथा अग्निशामक की समुचित व्यवस्था स्वयं करना होगी और सावधानीपूर्वक व्यवसाय करना होगा ताकि अग्नि दुर्घटना नहीं होने पाए।

नियत मानकों के पटाखों का ही उपयोग तथा विक्रय होगा, प्रदूषण फैलाने वाले तथा अधिक आवाज वाले बम राकेट आदि घातक पटाखों का उपयोग और विक्रय नहीं होगा। यह भी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है कि दुकाने इस प्रकार से लगाई जाएंगी कि एक आतिशबाजी की दुकान दूसरी आतिशबाजी की दुकान से या अन्य ज्वलनशील भंडार से कम से कम 15 वर्ग मीटर की दूरी पर हो। स्वतंत्र

स्वतंत्र रतलाम 21/10/21

जलसंकट की चेतावनी : प्रति वर्ष 90 खरब लीटर पानी बिना उपयोग बहता है

पानी बहा रहे हम, नतीजा; प्रदेश में हर साल 4 इंच नीचे जा रहा भूजल

सुनील मिश्रा
patrika.com

भोपाल. प्रदेश धीरे-धीरे जलसकंट की ओर बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में हर साल भूजल करीब 4 इंच नीचे जा रहा है। पिछले 10 साल में ही भूजल 40 इंच यानी सवा तीन फीट तक नीचे जा चुका है। यह स्थिति इसलिए बन रही है, क्योंकि पानी क्षमता से ज्यादा निकाला जा रहा है, लेकिन रीचार्जिंग पर ध्यान नहीं है। जबकि प्रदेश में जमीन में साढ़े सात लाख मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) पानी को समाने की क्षमता है। बड़ी चिंता की यह है कि हर साल 9 हजार एमसीएम यानी 90 खरब लीटर पानी यूं ही बह जाता है।

सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड ने हाल ही में भूजल के आर्टीफिशियल रीचार्ज के लिए मास्टर प्लान जारी किया है। इसमें ग्राउंड वाटर प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई है। बताया है कि किस जिले में कितने पानी की रीचार्जिंग की क्षमता है। मुरैना, भिंड और देवास जिलों में जमीन सबसे ज्यादा असंतृप्त है, यानी यहां ज्यादा पानी जमीन के अंदर रीचार्ज किया जा सकता है।

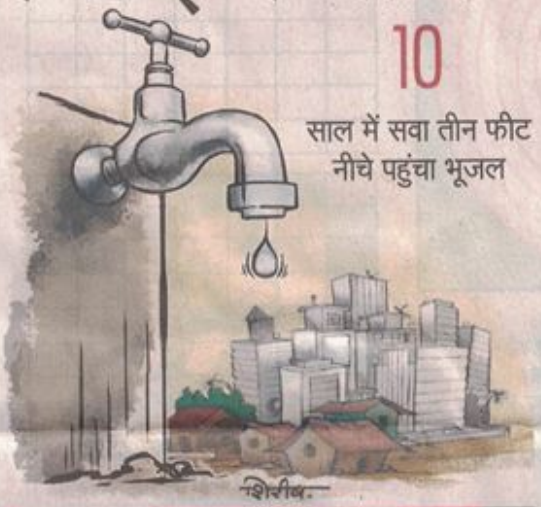

10
साल में सवा तीन फीट नीचे पहुंचा भूजल

भूजल बढ़ाने के लिए हमें ये करना होगा

1. विशेषज्ञों के अनुसार ठोस चट्टानी इलाकों में सतह पर पानी फैलाने वाली तकनीकों जैसे परकोलेशन टैंक, चैक डैम, नाला बंधान रीचार्ज शैफ्ट के साथ वाटर रीचार्ज के लिए कारगर होंगी।

2. एल्यूवियल क्षेत्रों में पहाड़ों के सामने वाले हिस्से पर परकोलेशन टैंक बनाना सबसे ज्यादा कारगर तकनीक है। चैक डैम में रीचार्ज शैफ्ट बनाने से पानी सीधा जमीन के अंदर जाता है।

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में 17 एमसीएम पानी की रीचार्जिंग

प्रदेश के 10 लाख से अधिक आबादी वाले चार शहर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर जबलपुर में कुल हाउसहोल्ड के 30 प्रतिशत भी रूफ टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिं कर लें तो यह पर्याप्त होगा। मास्टरप्लान में बताया है कि इन शहरों में 4 लाख हजार 938 घरों में यह होना चाहिए। माना गया कि प्रत्येक घर में 50 वर्ग मीटर क्षे इसके लिए उपलब्ध होगा। इस प्रकार कुल 2 करोड़ 4 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र उपलब्ध होगा। इससे प्रतिवर्ष 17.41 एमसीएम पानी से भूजल रीचार्ज किया जा सकता है

यूं बढ़ी भूजल की खपत

- जनसंख्या बढ़ने से
- निर्माण कार्यों में बढोतरी से
- बोतलबंद पानी की मांग बढ़ने से
- कृषि कार्य के लिए
- ग्रामीण क्षेत्र में नल-जल परियोजनाएं नहीं होने के कारण इन जिलों में जमीन सबसे ज्यादा प्यासी

ऐसे समझें स्थिति

क्षेत्रफल- 259105 वर्ग किमी
आर्टिफिशियल रीचार्ज के लिए उपलब्ध क्षेत्र- 146053 वर्ग किमी
आर्टिफिशियल रीचार्ज के लिए उपलब्ध स्थान- 24957 एमसीएम
रीचार्ज के लिए पानी की जरूरत- 33193 एमसीएम

बोर्ड ने भूजल का रिवाइज्ड मास्टर प्लान जारी किया है। लगातार घटते जलस्तर को रोकने के लिए रीचार्जिंग जरूरी है। यह प्लान शासन और संबंधित विभागों को भेज दिया गया है। यदि इसके अनुसार काम होगा तो प्रदेश में भूजल की कभी कमी नहीं होगी।

- पद्म कुमार जैन, रीजनल डायरेक्टर, सीजीडब्ल्यूबी नॉर्थ सेंट्रल डिवीज

पत्रिका 21/10/21